Carpenter's monthly newspaper

कारपेंटर्स न्यूज

www.carpentersnews.com

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2025-27

Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मासिक समाचार पत्र

मुंबई | मार्च 2026 | वर्ष : 21 | अंक : 04 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

कारपेंटर मिलन समारोह सम्मेलन का भव्य आयोजन .... पेज - 2

कारपेंटरों को नई तकनीक अपनाने की जरुरत

कारपेंटर मिलन समारोह सम्मेलन का भव्य आयोजन

कारपेंटर सम्मेलन में वक्ताओं ने कारपेंटर समुदाय के उत्थान और सामाजिक एकता, युवाओं को आधुनिक मशीनरी एवं तकनीकी प्रशिक्षण देने की योजना,जरूरतमंद सदस्यों के लिए सहायता कोष पर विस्तार से जानकारी दी गई।

जयपुर। हाड़ौती कारपेंटर विकास समिति कोटा के तत्वावधान में वार्षिक कारपेंटर सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कोटा सहित हाड़ौती क्षेत्र के सैकड़ों की तादाद में कारपेंटर भाइयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सम्मेलन का उद्देश्य कारपेंटर समुदाय को संगठित करना, उनके अधिकारों की रक्षा करने के साथ युवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन भगवान विश्वकर्मा जी को माल्यार्पण, पूजा अर्चना व आरती के साथ किया गया। समिति के कोटा समिति अध्यक्ष अब्दुल रशीद भाई, सचिव मोहनलाल जांगिड़, कोषाध्यक्ष अरुण कुमार जांगिड़, कोटा समिति के समस्त पदाधिकारियों ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए संगठन की वार्षिक उपलब्धियों और आगामी योजनाओं की जानकारी दी।

सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि बदलते समय के साथ बढ़ईगिरी के क्षेत्र में नई तकनीकों और डिजाइनों को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए समिति की ओर से प्रशिक्षण शिविर व कार्यशालाएं आयोजित करने का विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम के दौरान कारपेंटर एसोसिएशन विकास समिति कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण राजस्थान के संरक्षक रामअवतार पिलवाल, प्रदेश अध्यक्ष रामचरण जांगिड, सचिव चेतराम जांगिड, उपाध्यक्ष मेहबूब बेग,उपाध्यक्ष विजय कुमार शर्मा, कारपेंटर एसोसिएशन गंगापुर के अध्यक्ष कासिम खान के कार्यकाररिणी पदाधिकारी व कोटा अध्यक्ष व पदाधिकारीगण सभी ने कार्यक्रम के स्पॉन्सर सनशाइन प्लाईलेम मार्केटिंग कोटा, जितेन्द्र साधवानी, राकेश साधवानी का मंच पर माला साफा स्मृति चिन्ह देकर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ भव्य सम्मानित किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से कारपेंटर मिलन समारोह सम्मेलन में चार चांद लग गया। लक्की ड्रा कूपन कार्यक्रम से कारपेंटर भाइयों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में पधारे हुए सभी कारपेंटर भाइयों ने स्वरूचि भोजन का आनन्द लिया। मुकेश जांगिड़ कोटा ने एरोड्रम पर वेलकम के साथ कार्यक्रम स्थल तक जयपुर टीम को साथ लेकर पहुचे। कोटा समिति के अध्यक्ष सचिव ने सभी आगंतुकों, अतिथियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए सर्व समाज की एकता बनाए रखने का आह्वान किया। यह आयोजन कारपेंटर समाज के लिए एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करने वाला साबित हुआ।

RNI NO. MAHHIN/2005/16460

कारपेंटर्स न्यूज़

कारपेंटर्स न्यूज में विज्ञापन या प्रतियों के लिए **9320566633** पर संपर्क करें।
Email: carpentersnews@gmail.com

सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को गुड़ी पड़वा, चैत्र नवरात्र व श्रीराम नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं
- संपादक

मुंबई | मार्च 2026 | वर्ष : 21 | अंक : 04 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

UNWAY The Smart Way | iLIFT Bed Fittings

EVERY DOOR DESERVES A dorsët
MORE SAFE. MORE SECURE.

सटीक बनावट।
मजबूत बेड फिटिंग्स।
भरोसेमंद परफॉर्मेंस।

dorsët MITRON
Saath Umar Bhar Ka!

आज ही रजिस्टर करें
और पहले स्कैन के साथ
250
बोनस अंक
सुनिश्चित करें

PAN/ AADHAR से लॉयल्टी प्रोग्राम जॉइन करें।

डोरसेट मित्रों ऐप डाउनलोड करने के लिए स्कैन करें

मित्रों वीडियो देखने के लिए स्कैन करें

हमें फॉलो करें:

Dorset India

MITRON HELPDESK SUPPORT
1800 2022 434
mitronsupport@dorsetindia.com

धर्म का आचरण करो, जीवन में सफलता मिलेगी

धर्म और विज्ञान एक दूसरे के पूरक : स्वामी हरि चैतन्य पुरी

वर्तमान में समाज में निरंतर नैतिकता, राष्ट्रीयता व चरित्र का हो रहा ह्रास अत्याधिक चिंता का विषय है। धर्म विज्ञान सम्मत है ढकोसला नहीं, लोगों ने अपने तुच्छ स्वार्थों के लिए इसे ढकोसला बनाने का प्रयास किया। धर्म से विज्ञान दूर होने पर ही ढोंग, पाखंड, अंधविश्वास, रूढ़िवादिता को बढ़ावा मिलता है। धर्म विहीन विज्ञान विकास का नहीं, विनाश का कारण बनेगा। धर्म और विज्ञान एक दूसरे के पूरक हैं।

भरतपुर। श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर व विश्व विख्यात संत स्वामी हरि चैतन्य पुरी महाराज ने कहा कि धर्म लौकिकता व पारलौकिकता के बीच एक सेतु का काम करता है। तीर्थराज विमल कुण्ड स्थित श्री हरि कृपा आश्रम में विशाल भक्त समुदाय को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कर्म, भक्ति व ज्ञान का सुन्दर समन्वय स्थापित करके जीवन को आदर्श, महान, सुखी व समृद्ध बनाने का संदेश देता है धर्म। सत्य, अहिंसा परोपकार, राष्ट्र भक्ति, माता पिता व गुरुजनों का सम्मान, सदाचार नैतिकता व चारित्रिक उत्थान का संदेश देता है धर्म। हम आज हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई, बौद्ध, पारसी, जैन इत्यादि बने हैं, जिसमें कोई बुराई नहीं लेकिन एक सच्चे इंसान बने है या नहीं अंतरात्मा में यह सोचने पर मजबूर करता है धर्म। हम अपने धर्म का सम्मान करे लेकिन औरों का निरादर नहीं। सही दिशा में उठाया हमारा हर कदम कल्याणकारी होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में समाज में निरंतर नैतिकता, राष्ट्रीयता व चरित्र का हो रहा ह्रास अत्याधिक चिंता का विषय है। धर्म विज्ञान सम्मत है ढकोसला नहीं, लोगों ने अपने तुच्छ स्वार्थों के लिए इसे ढकोसला बनाने का प्रयास किया। धर्म से विज्ञान दूर होने पर ही ढोंग, पाखंड, अंधविश्वास, रूढ़िवादिता को बढ़ावा मिलता है। धर्म विहीन विज्ञान विकास का नहीं, विनाश का कारण बनेगा। धर्म और विज्ञान एक दूसरे के पूरक हैं। देश को तोड़ने व बांटने की जो घृणित व कुत्सित साजिशें की जा रही हैं। उन्हें सफल नहीं होने देना है। राष्ट्र में सभी को सभी प्रकार के मतभेदों व संकीर्णताओं को त्यागकर आपसी प्रेम, एकता व सद्भाव को बनाए रखना हैं। उन्होंने कहा कि मानव जीवन की ही महिमा है कि वह अपने लिए समाज के लिए व परमात्मा के लिए उपयोगी हो सकता है।

त्यागपूर्वक शांत होकर अपने लिए, उदारता पूर्वक सेवा करके समाज के लिए व आत्मीयता पूर्वक प्रेम करके परमात्मा के लिए उपयोगी होता है। शांत उदार व प्रेमी भक्त हो जाना यह मानव जीवन की महिमा है। जो शांत होगा वह उदार तथा जो उदार होगा वह भक्त होगा। ऐसा जीवन ही पूर्ण जीवन है। महाराज ने कहा कि सत्य बोलो और धर्म का आचरण करो, जीवन में सफलता मिलेगी। अपने धाराप्रवाह प्रवचनों से उन्होंने सभी भक्तों को मंत्रमुग्ध व भाव विभोर कर दिया।

जायका इंडिया का

अमृतसरी पनीर भुर्जी

पनीर के व्यंजन कई तरह से बनाये जाते हैं। पंजाब क्षेत्र में अमृतसरी पनीर भुर्जी बहुत ही फेमस डिश है जिसका जायका लोगों को खूब पसंद है।

सामग्री - तेल 1 बड़ा चम्मच, मक्खन 1 छोटा चम्मच, हरी मिर्च- 2 बारीक कटी हुई, लहसुन 1 बड़ा चम्मच बारीक कटा, अदरक-1 इंच टुकड़ा बारीक कटा, प्याज- 3 बारीक कटे हुए, टमाटर 3 बारीक कटे हुए, नमक स्वादानुसार, बेसन मसाला- 3 बड़े चम्मच, पनीर- 250 ग्राम कद्दूकस किया हुआ, नींबू का रस 1 बड़ा चम्मच, हरा धनिया 1 बड़ा चम्मच।

बेसन मसाले के लिए - बेसन 3 बड़े चम्मच भुना हुआ, लाल मिर्च पाउडर 1 बड़ा चम्मच, जीरा पाउडर- 1 छोटा चम्मच, हल्दी 1 चुटकी, छोले मसाला- 1/2 छोटा चम्मच, पाव भाजी मसाला- 1 छोटा चम्मच, चाट मसाला- 1 छोटा चम्मच, नमक- 1/2 छोटा चम्मच, दही- 1/2 कप, दूध- 1/4 कप, गर्म तेल- 2 बड़े चम्मच।

विधि - कटोरे में बेसन का मसाला बनाने के लिए एक-एक करके सारी सामग्री अच्छी तरह से मिलाएं। इसे एक तरफ रख दें। अब पैन में तेल और मक्खन गर्म करके लहसुन, अदरक और हरी मिर्च भूनें। सुनहरा भूरा होने पर प्याज सुनहरा भूनें। टमाटर मिलाकर एक-दो मिनट पकाएं। जब टमाटर गल जाए तो उसमें नमक, बेसन मसाला, पनीर और थोड़ा-सा पानी मिलाएं। नींबू का रस मिलाएं और हरे धनिए से सजाकर परोसें।

मल्टीग्रेन आटा चीज पालक कबाब

सामग्री - 100 ग्राम मल्टी ग्रेन आटा, चुटकी भर हींग, 1 छोटा चम्मच आमचूर पाउडर, कुछ धनिया पत्ती, नमक, लाल मिर्च पाउडर, स्वादानुसार चीनी, 1 छोटा चम्मच जीरा पाउडर, तलने के लिए कोई भी तेल, 5 उबले मैश किए आलू, 2 बड़े चम्मच तिल, 75 ग्राम चीज, 100 ग्राम पालक कद्दूकस किया हुआ, करमश ब्रेड।

विधि - एक पैन में तेल गरम कर जीरा, हींग डाल तड़का लें। आलू, मल्टी ग्रेन आटा पालक डाल पका लें। बाद में मसाले, चीज और बाकी सारी सामग्री डाल अच्छी तरह पका लें। मसाला तैयार होने पर मनचाहे आकार में कटलेट को ब्रेड और तिल में लपेट कर कुछ समय सुखा लें। तवे पर तेल डालकर कटलेट सुनहरे होने तक पका लें। मल्टी ग्रेन आटा चीज पालक के कबाब पर चीज डाल टमाटर सॉस, धनिया की चटनी के साथ गरमा-गरम खिलाएं।

सेहत

कैल्शियम से बनेगी हड्डियां मजबूत

कैल्शियम एक ऐसा महत्वपूर्ण खनिज है, जो हमारे दांतों और हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। यह हमारी मांसपेशियों के संकुचन, खून के थक्के जमने के लिए भी जरूरी होता है। अक्सर 14 से लेकर 17 साल के आयु वर्ग की लड़कियों में और मेनोपॉज के दौरान महिलाओं में कैल्शियम की कमी देखी जाती है। प्रेग्नेंसी के दौरान यदि मां के शरीर में कैल्शियम की कमी हो तो इससे बच्चे के स्वास्थ्य पर इसका बुरा असर होता है। मानव शरीर कैल्शियम उत्पादित नहीं करता, इसलिए हमें अपने आहार से ही इसे पूरा करना होता है।

महिलाओं में कैल्शियम की कमी का सबसे बड़ा कारण अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही होती है। इसके अलावा खराब जीवनशैली, रेडी टू ईट फूड का सेवन, संतुलित आहार की कमी, खाद्य पदार्थों में मिलावट के कारण भी इसकी कमी देखी जाती है। कैल्शियम युक्त भोज्य पदार्थों की कमी, विटामिन-डी की कमी, मेनोपॉज के दौरान होने वाले हार्मोनल बदलाव, कैल्शियम अवशोषण में बाधा डालने वाली दवाओं के सेवन, डेयरी उत्पादों का कम सेवन जैसी तमाम वजहों से उनमें कैल्शियम की कमी हो जाती है। अक्सर हाथ-पैरों और जोड़ों में दर्द होना, कमजोर दांत-नाखून, हेयर फॉलिंग या पीरियड्स के दौरान दर्द, कैल्शियम की कमी से हो सकता है। अपनी डाइट में सुधार कर शरीर में होने वाली कैल्शियम की कमी को दूर किया जा सकता है।

कैल्शियम की कमी के लक्षण - कैल्शियम हड्डियों और दांतों की सेहत के लिए जरूरी तो है ही, यह नाखूनों को मजबूती देता है। इसकी कमी से मांसपेशियों में दर्द, थकावट, दिल की धड़कन बढ़ना, पीरियड्स के दौरान अधिक दर्द होना, बालों का झड़ना, त्वचा का सूखापन, नाखूनों का कमजोर होकर बार बार टूटना, दांतों का कमजोर होना, जोड़ों में दर्द, याददाश्त में कमी, नींद में परेशानी, कब्ज, गैस या पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

शरीर में कैल्शियम की कमी दूर करने के लिए ऐसे आहार का सेवन करें, जो कैल्शियम से भरपूर हों।

पालक - 100 ग्राम पालक में 90 मिलीग्राम कैल्शियम पाया जाता है। पालक को सिर्फ एक मिनट उबालकर सेवन करना चाहिए।

सोयाबीन - 100 ग्राम सोयाबीन में तकरीबन 175 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। सोयाबीन से बना दूध, टोफू, दही भी फायदेमंद है।

रागी -100 ग्राम रागी में तकरीबन 370 मिलीग्राम कैल्शियम पाया जाता है। रागी के आटे से कई प्रकार के व्यंजन बनाकर इसका सेवन किया जा सकता है।

मेथी के पत्ते-बीज - 100 ग्राम मेथी के पत्तों में 150 मिलीग्राम कैल्शियम पाया जाता है। मेथी के पत्तों का इस्तेमाल करी, दाल, चावल, परांठे में किया जा सकता है। खट्टे फल - खट्टे फलों में विटामिन-सी के साथ कैल्शियम भी भरपूर मात्रा में होता है।

बादाम - प्रति 100 ग्राम बादाम में 264 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। प्रतिदिन पांच भीगे बादाम की गिरी खाली पेट खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं और त्वचा कोमल और बाल भी स्वस्थ रहते हैं।

काले चने - डेढ़ कप काले चने में 315 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। उबले हुए काले या सफेद चने में औसतन एक बाउल में 80 मिलीग्राम कैल्शियम होता है।

दही - 100 ग्राम दही में 85 मिलीग्राम कैल्शियम होता है।

चिया सीड्स - 100 ग्राम चिया सीड्स में लगभग 630 मिलीग्राम कैल्शियम होता है।

धूप का सेवन - महिलाओं को अपने शरीर में कैल्शियम की पूर्ति के लिए कैल्शियम युक्त आहार की जरूरत के साथ-साथ सुबह की धूप भी सेकना जरूरी है। क्योंकि इसमें मौजूद विटामिन-डी, कैल्शियम अवशोषण के लिए जरूरी होता है। इससे हड्डियां मजबूत होती है और ऑस्टियोपोरोसिस का रिस्क कम होता है।

- डॉ. माजिद अलीम

मोहनलाल सुथार अध्यक्ष चुने गए

श्री विश्वकर्मा जांगिड़ समाज सेवा समिति का हुआ चुनाव

पाली। श्री विश्वकर्मा जांगिड़ समाज सेवा समिति पाली के नई कार्यकारिणी का चुनाव चुनाव अधिकारी चम्पालाल नागल, बंशीलाल पाखरवड, चम्पालाल जैपालिया, गणेश किजा व दिनेश जांगिड़ की देखरेख में श्री विश्वकर्मा जांगिड़ समाज भवन, वीर दुगार्दास नगर में संपन्न हुआ।

मुख्य चुनाव अधिकारी चम्पालाल नागल ने बताया 5 मार्च को समाज की ओर से चुनाव सम्पन्न करने की जिम्मेदारी दी गई थी, उसी के तहत चुनाव सम्पन्न करवाये गये जिसमें अध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष सहित सभी पदों के लिए एक एक आवेदन ही प्राप्त हुआ। सर्वसम्मति से मोहनलाल सुथार को अध्यक्ष, शेषाराम पाखरवड व मदनलाल झलुडिया को उपाध्यक्ष, ओमप्रकाश जांगिड़ को मंत्री, जब्बरमल जांगिड़ को उपमंत्री, अमरचंद शर्मा को कोषाध्यक्ष, घीसूलाल सुथार को सह कोषाध्यक्ष, पत्रकार घेवरचन्द आर्य को प्रचार मंत्री और ऋषि राज त्रिपाठी को संगठन मंत्री निर्वाचित घोषित किया गया। इसके अलावा चंपालाल जैपालिया, मोहनलाल देवाण, भंवरलाल सायल, भूराराम छडिया, अशोक किंजा, ढलाराम ओस्तवाल, राजेन्द्र जोपिंग, चन्द्रप्रकाश सिघानिया, प्रकाश पिडवा, भुण्डाराय सायल, मदन लाल वाणेचा व गोरधन लाल सायल को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया।

इस अवसर पर आईआरएस दिनेश सारंग, शिक्षाविद सुरेश तिराणीया, रामदयाल किजा, वरिष्ठ व्यवसाई ओमप्रकाश कुलरिया, चेन्नई समाज अध्यक्ष कन्हैयालाल मांकड़, पुनाराम सायल, अमृतलाल कुलरियां, गोरधनलाल किंजा, गंगाराम जैपालियां, मदनलाल वाणेचा, रामेश्वर लाल चवलेरा, सायरनीर त्रिपाठी, भूराराम छड़ियां, विवेक जीलोया, प्रदीप बेगड, दीपक झालुडिया, मोतीलाल दायमा, गजेन्द्र किंजा, एड. विनोद जोपिग, हनुमान जांगिड़ आदि सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

विश्वकर्मा समाज ने तय की कारपेंटरों की मजदूरी

गिरिडीह। झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज जिला कमेटी की बैठक विश्वकर्मा धाम कार्यालय धोबिया अहरी में हुई। भगवान विश्वकर्मा की तस्वीर पर माल्यार्पण के साथ बैठक की शुरूआत हुई। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष देवकी राणा व संचालन महासचिव सुनील राणा ने किया। बैठक में कमेटी का विस्तार किया गया। सुखदेव राणा को जिला उपाध्यक्ष, गोविंद राणा को सचिव, अरुण राणा को संगठन सचिव, डॉ. किशोर राणा को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया। महिला समिति की जिलाध्यक्ष पद पर प्रियंका शर्मा व महासचिव सुनीता विश्वकर्मा को मनोनीत किया गया। बिरनी, राजधनवार, गांवा, तिसरी, बेंगाबाद, पीरटांड़ व नगर निगम क्षेत्र का चुनाव जल्द कराने का निर्णय लिया गया। मजदूरी के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। बैठक में कुशल और सहायक मिस्त्री की मजदूरी तय की गई। कुशल मिस्त्री को 700 व सहायक मिस्त्री को 500 रुपये व आरा मिल मिस्त्री को 1000 व सहायक मिस्त्री को 600 रुपये प्रतिदिन मजदूरी दिये जाने का प्रस्ताव पारित किया गया। इसका उल्लंघन करने पर मिस्त्रियों व ठेकेदारों पर पांच हजार जुमार्ना लगाने पर सहमति बनी। यह दर एक अप्रैल से लागू होगा। सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए चलो गांव की ओर अभियान चलाने का निर्णय किया गया। बैठक में जिला व प्रखंड के पदाधिकारी उपस्थित थे।

ऊधमपुर में खुला विश्वकर्मा लाइब्रेरी

जम्मू। श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी न्यू प्लाट जम्मू की एक टीम विश्वकर्मा मंदिर ऊधमपुर में बुलाई गई मीटिंग में पहुंची, जिसमें प्रो. कालिदास और मुंशीराम बंगोत्रा भी शामिल हुए। प्रो. कालिदास ने कहा कि हमें प्रभु विश्वकर्मा को ही अपना भगवान मानना चाहिए और इन्हीं की महिमा गाना चाहिए। उन्होंने अपने द्वारा लिखे गए विश्वकर्मा भजन गाकर सुनाए और प्रिंटेड कापियां भी बांटी। बलवंत कटारिया ने अपने भाषण में यूजीसी मुद्दे पर कहा कि दिन व दिन जातिवाद का बढ़ना समाज और राष्ट्र के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि न्यू प्लाट की तरह हर विश्वकर्मा मंदिर में एक लाइब्रेरी होनी चाहिए, क्योंकि मंदिर में सिर्फ हलवा बांटकर और पूजा करने से समाज की उन्नति नहीं होती। अच्छे पदों पर पहुंचने के लिए पढ़ना पड़ता है। हम समाज के गरीब बच्चों को आर्थिक सहायता देकर उच्च पदों पर पहुंचा सकते हैं। दूरदराज के बच्चों के लिए ऊधमपुर मंदिर में रहने की व्यवस्था की जाए तो यह और भी लाभकारी हो सकता है। इस अवसर पर श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी की ओर से जिला अध्यक्ष राधे श्याम मन्हास को उनकी आजीवन सेवाओं के लिए ट्रॉफी भेंट कर सम्मानित किया गया। विश्वकर्मा मंदिर ऊधमपुर के कार्यकारी अध्यक्ष विजय कुमार मन्हास ने सभी की सहमति से लाइब्रेरी खोलने का प्रस्ताव मौके पर ही पास कर दिया। जम्मू से जोगिंदर अंगोत्रा व ओम कटारिया भी शामिल थे। इस अवसर पर गुरदयाल धीमान, मास्टर बोद राज धीमान, जगदेव चलोत्रा, ओम प्रकाश खोखर, रमेश कुमार, सुनील कुमार, शशी मन्हास, मदन लाल, पुरषोत्तम लाल, बंसी लाल, प्रेम लाल, संसार चंद, सोमनाथ, गिरधारी लाल, अशोक कुमार, कुलदीप कुमार आदि सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

रक्तदान शिविर का आयोजन

यमुना नगर। स्माइल फाउंडेशन की ओर से सादिकपुर में 14 फरवरी 2019 को पुलवामा आतंकी हमले में शहीद वीर जवानों की शहादत को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर भाजपा मंडल उपाध्यक्ष करणपाल धीमान के प्रयासों से नेत्र जांच और रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया। रक्तदान शिविर में करीब 50 लोगों ने रक्तदान किया, जबकि बड़ी संख्या में लोगों ने आंखों की जांच करवाई। कारपेंटर यूनियन जगाधरी यमुनानगर से ओमपाल, मंगाराम, विजेंद्र, कमल, जसवीर, हरदीप, सुरेश, सुरजीत, संजीव, रविंद्र आदि भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

आर्थिक कमजोरों का सहारा बनेगा विश्वकर्मा बढ़ई समाज

बैतूल। विश्वकर्मा बढ़ई समाज समिति जिला बैतूल की आयोजित बैठक में समाजहित से जुड़े दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए। समिति अध्यक्ष गणेश मालवी व सचिव शशिकांत मालवी ने कहा कि जिले में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे-बच्चियों के विवाह अब समाज समिति द्वारा निःशुल्क सामाजिक रीति-रिवाजों से कराए जाएंगे। इस योजना के तहत वर-वधु के माता-पिता की सहमति अनिवार्य होगी। यदि माता-पिता जीवित नहीं हैं तो समाज के एक-दो वरिष्ठ सामाजिक बंधुओं, रिश्तेदारों की सहमति ली जाएगी। विवाह की तिथि निर्धारित कर सार्वजनिक रूप से घोषणा की जाएगी। समिति का उद्देश्य आर्थिक तंगी के कारण विवाह में आ रही बाधाओं को दूर करना है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले समाज के छात्र-छात्राओं को परीक्षा केंद्र तक समय पर पहुंचने में होने वाली कठिनाइयों को देखते हुए विश्वकर्मा मंदिर में रात्रि ठहरने की निःशुल्क व्यवस्था की जाएगी।

विश्वकर्मा समाज के हित को ध्यान में रखने की मांग

छपरा। नेहरू चौक स्थित मंदिर परिसर में विश्वकर्मा समाज की बैठक हुई। अध्यक्षता विश्वकर्मा समाज के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. हेम नारायण विश्वकर्मा ने की। बैठक में वक्ताओं ने सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा लागू किए गए नए 2026 अधिसूचना में बस बॉडी निमाताओं के लिए कुछ नए नियमों का प्रावधान किया गया है। वक्ताओं ने सरकार से अधिसूचना में शामिल किए गए विश्वकर्मा समाज के लिए अहितकर नियमों व प्रावधान पर पुनर्विचार करने की मांग की।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा है कि सरकार की पहली प्राथमिकता देश के नागरिकों के जानमाल की सुरक्षा करनी है। लेकिन सरकार रोजगार देने की बजाय रोजगार छीनने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पूरे देश के सभी राज्यों में मुख्य रूप से बढ़ई, लोहार विश्वकर्मा समाज के लोग ही बस और ट्रक का बॉडी बनाने का काम करते हैं। आधुनिक स्लीपर कोच बनाने का काम भी इन्हीं लोगों ने ही शुरू किया था। प्रत्येक बस, ट्रक बॉडी निर्माण यूनिट में 100 से 200 कुशल पेशेवर कारीगर काम करते हैं। अगर किसी भी रूप में सुरक्षा मानकों में अगर कोई भी कमी दिखाई देती है तो ये सभी उन्हें मानने व पूरा करने को तैयार हैं। क्योंकि ये सभी हुनरमंद है। लेकिन सरकार के टेस्टिंग के नए नियमों को तुरंत प्रभाव से लागू करने के कारण लाखों बढ़ई लोहार विश्वकर्मा समाज के लोग बेरोजगार हो जाएंगे। उनके परिवार के सामने रोजी रोटी का संकट उत्पन्न हो जाएगा। इस समाज के बड़ी संख्या में कारीगर चार पांच पीढ़ियों से यह काम कर रहे हैं, जहां से लाखों लोगों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने स्वयं के रोजगार स्थापित किया हैं। बढई, लोहार विश्वकर्मा समाज के हित को ध्यान में रखते हुए सरकार से नए कानून पर सहानुभूति पूर्वक विचार करने की मांग लोगों ने की। विश्वकर्मा समाज के इस अति कुशल वर्ग व लाखों निर्माण मजदूरों को बेरोजगार होने से बचाने की भी मांग की गई। बैठक में राम अनूप शर्मा, संजय शर्मा, डॉ संतोष शर्मा, कृष्ण शर्मा, सुरेश शर्मा आदि सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

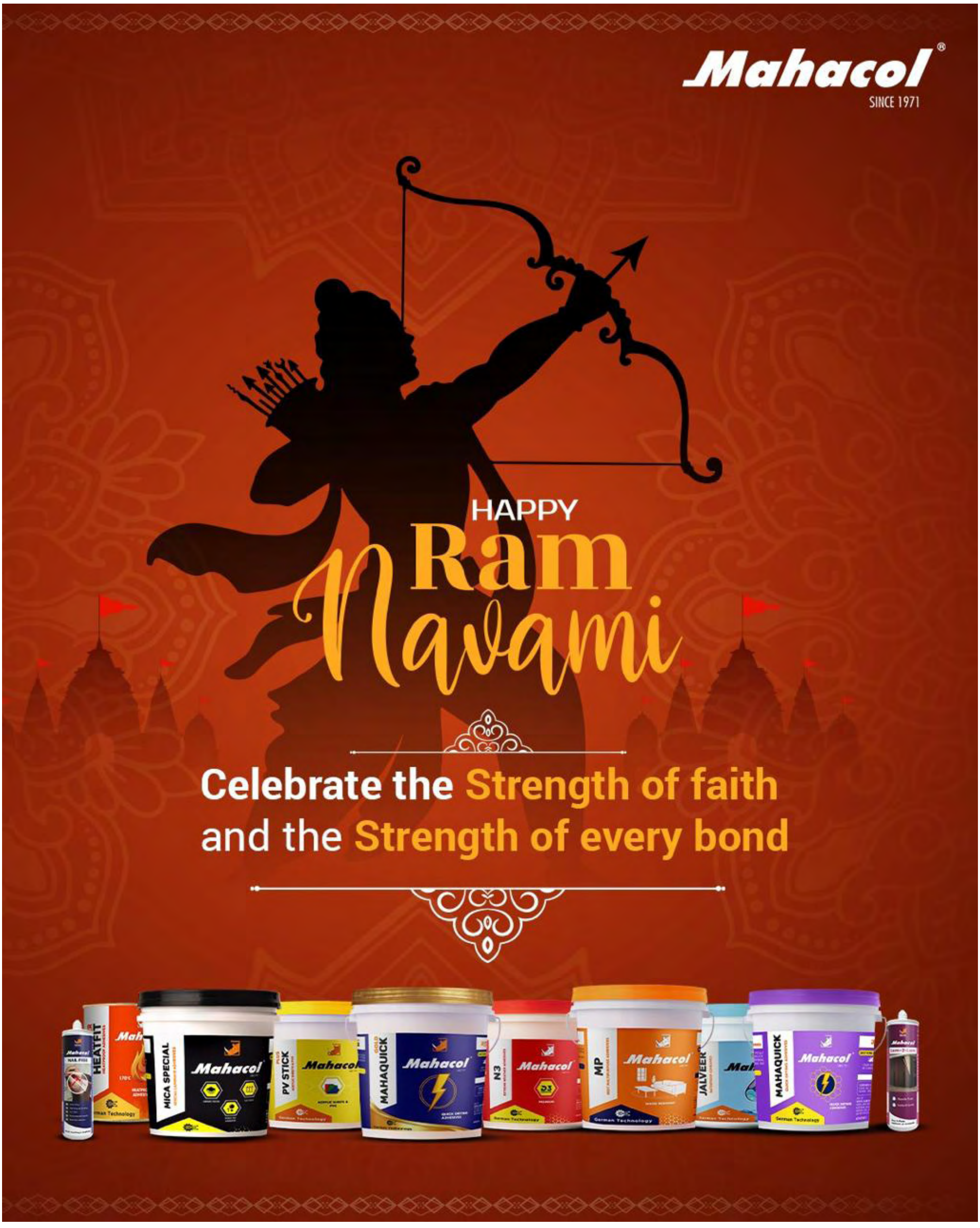
Mahacol®
SINCE 1971
HAPPY
Ram
Navami
Celebrate the Strength of faith
and the Strength of every bond
HEATFIT
MICA SPECIAL
PV STICK
MAHAQUICK
N3
MP
JALVEER
MAHAQUICK
German Technology

रामनवमी विशेष : राम भक्त अढैया

एक लड़का अपने बुजुर्ग माता पिता के साथ गाँव में रहता था, बीमारी की वजह से माता पिता दोनों का देहांत हो गया। अब लड़का अकेला रह गया। लड़के ने सोचा मुझे तो कुछ भी नहीं आता,अब मैं कैसे जियूँगा? गाँव वालों ने उसे बताया-गाँव के बाहर, जंगल के पास एक आश्रम है। जहाँ एक ऋषि और उनके शिष्य रहते है,वहाँ जाओ शायद वहाँ तुम्हें कोई काम मिल जाए। लड़के ने आश्रम जाकर ऋषि से प्रार्थना की,कि मुझे आश्रम में जगह दीजिए।

ऋषि बोले कि-तुम्हें क्या काम आता है? लड़के ने कहा-मैं गाय चरा सकता हूँ। ऋषि बोले- ठीक है आज से तुम आश्रम की गाय चराया करना। लड़के ने कहा कि-लेकीन मेरी एक समस्या है। मैं एक बार में 2.5 किलो (ढाई किलो) भोजन करता हूँ। मुझे पैसे नहीं चाहिए मुझे सिर्फ पेट भर भोजन दे दीजिएगा। ऋषि मुस्कुराकर बोले-खाने की कोई समस्या नहीं है, आश्रम में भरपूर भोजन है तुम जितना मर्जी खाओ लेकिन आश्रम का एक नियम है वो तुम्हें भी मानना होगा-लड़के ने कहा-क्या नियम है?

ऋषि बोले कि-आश्रम के सभी लोग भोजन करने से पहले भगवान से प्रार्थना करते है कि 'हे भगवान पहले आप खाओ,फिर मैं खाऊँगा' तुम कल से गाय चराने जंगल जाओगे तो वापस आने में तुम्हे समय लगेगा इसलिए तुम आश्रम की रसोई से ढाई किलो कच्चे चावल, आटा, सब्जी लेते हुए जाना ओर जंगल में ही भोजन पका कर पहले भगवान को खाने को कहना फिर तुम खाना। लड़के ने कहा-ठीक है। ऋषि बोले-तुम ढाई किलो भोजन खाते हो इसलिए आजसे तुम्हारा नाम अढईया।

अगले दिन ढाई किलो कच्चा भोजन लेकर अढईया गाय चराने जंगल निकल पड़ा। जंगल में उसने भोजन बनाया और वो खाने ही वाला था कि उसे ऋषि की बात याद आई कि पहले भगवान को खाने को कहना है। अढईया ने आँख बंद करके कहा-ऋषि के भगवान, आओ पहले तुम खाओ। जैसे ही अढईया ने आँखें खोली उसने देखा-पेड़ के पीछे से भगवान श्रीराम प्रकट हो गए अढईया ने भगवान श्रीराम को देखकर कहा-अच्छा तो तुम हो ऋषि के भगवान? भगवान श्रीराम ने मुस्कुराते हुए सिर हिला कर हामी भरी।

अढईया ने कहा- तो क्या तुम यहीं जंगल में पेड़ों के बीच ही रहते हो? भगवान श्रीराम ने फिर मुस्कुराते हुए हामी भरी। अढैया ने कहा-ठीक है, पहले तुम भोजन कर लो। देखते ही देखते भगवान ने सारा भोजन समाप्त कर दिया। अढईया उदास होकर आश्रम लौटा और आकर ऋषि से बोला-आपने बताया नहीं कि आपके भगवान सारा भोजन खा लेते हैं। अब मैं कल से 5 किलो भोजन लेकर जाऊँगा ताकि मुझे भूखा ना रहना पड़े। ढाई किलो मेरा ढाई किलो ऋषि के भगवान का। ऋषि को लगा कि अढैया खाने के लालच में झूठ कह रहा है पर फिर उन्होंने ये सोचा-खा लेने दो,हमारे पास बहुत अनाज है। अगले दिन अढैया 5 किलो भोजन लेकर जंगल गया और भोजन तैयार करने के बाद आँख बंद करके बोला- ऋषि के भगवान आओ,पहले तुम खाओ। अढईया ने जैसे ही आँखें खोली-भगवान राम और माता सीता सामने खड़े थे अढईया ने भगवान से पूछा-ये आपके साथ देवी कौन हैं? भगवान बोले-ये मेरी पत्नी है जानकी भगवान श्रीराम और माता सीता ने सारा भोजन समाप्त कर दिया। अढैया फिर उदास होकर आश्रम आया और ऋषि से बोला-आज तो आपके भगवान के साथ उनकी पत्नी भी आई थी शायद उनका नाम जानकी बताया था उन्होनें।

अब कल से मैं साढ़े 7 किलो भोजन लेकर जाऊँगा ताकि मेरे लिए भी कुछ बचे। अगले दिन अढईया ने जंगल में भोजन बनाकर फिर भगवान से प्रार्थना की-ऋषि के भगवान आओ,पहले तुम खाओ। तुरंत भगवान राम,माता सीता के साथ लक्ष्मण जी भी उपस्थित हो गए। अढैया ने पूछा-अब ये महाशय कौन है? भगवान श्रीराम मुस्कुरा कर बोले-मेरे छोटे भाई लक्ष्मण है। तीनों ने मिलकर फिर भोजन समाप्त कर दिया।

अढईया फिर उदास होकर आश्रम लौटा और ऋषि से सारी बात बताते हुए कहा-कल से मैं 10 किलों अनाज लेके जाऊँगा ताकि मेरे लिए भी कुछ बचे। ऋषि ने सोचा-ये अढईया पागल मालूम होता है। अगले दिन अढईया ने जंगल में भोजन तैयार करके फिर प्रार्थना की-ऋषि के भगवान आओ,पहले तुम खाओ। भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण जी के साथ अब हनुमानजी भी प्रकट हो गए। भगवान ने हनुमानजी को समझा दिया था कि अनोखा, सीधा साधा भक्त है उसकी बातों पर नाराज मत होना।

हनुमानजी को देख अढईया ने भगवान राम से पूछा-अब ये इतने लंबे चौड़े महाशय कौन हैं? भगवान बोले-ये हनुमान हैं ये मेरे मित्र हैं। अब अढैया ने परेशान होकर भगवान से कहा- आप कुल कितने लोग हो? कृपया मुझे बता दो। ये सुनकर भगवान मुस्कुराने लगे। आज भी अढईया के लिए कुछ ना बचा। अढईया ने जाकर ऋषि को सारी बताते हुए कहा-रोज एक आदमी की संख्या बढ़ रही है आज तो एक लंबे चौड़े वानर भी आए थे।

कल मैं दो व्यक्तियों का अधिक भोजन लेकर जाऊँगा ताकि उनके साथ कोई आए तब भी मेरे लिए बचे। अढैया की बातें सुनकर ऋषि मन ही मन सोचने लगे-क्या सच में भगवान उसे दर्शन देते है? ऋषि अढैया से बोले-तुम्हें भोजन ज्यादा करना है करो लेकिन ये झूठ हमें पसंद नहीं। अढैया ने कहा-मैं झूठ नहीं कह रहा,कल आपको अपनी बातों का प्रमाण दूँगा। अगले दिन जब अढैया ने भोजन बनाकर प्रार्थना की तो श्रीराम, सीता जी, लक्ष्मण जी, हनुमान जी के साथ भरत और शत्रुघ्न भी पहुंच गए।

अढैया ने कहा-अब ये दो नए लोग कौन है? श्रीराम ने कहा-ये भी मेरे भाई है। अढईया ने कहा-ठीक है तुम सब भोजन करो मैं अभी आया। अढईया दौड़ता हुआ आश्रम आया और ऋषि से बोला-जल्दी चलो,आपके भगवान पूरे परिवार सहित जंगल में बैठे है। आप ही जाकर उनसे पूछ लो कितने लोगों का भोजन बनाना है क्योंकि मेरे लिए नहीं बचता।

ऋषि जैसे ही जंगल में गए उनके होश उड़ गए और उनकी आँखों से लगातार आँसू बहने लगे वो राम राम राम कहकर हृदय से रोने लगे क्योंकि सामने भगवान श्रीराम अपने पूरे परिकर के साथ बैठे थे और अढईया के हाथ का भोजन कर रहे थे ऋषि बोले-भगवान पूरी उम्र बिता दी आपकी एक झलक पाने के लिए लेकिन आपने कभी दर्शन नहीं दिए लेकिन आज आपने पूरे परिवार सहित दर्शन दिए वो भी इस अढईया की वजह से।

भगवान आपने इस अढईया को दर्शन दिए जबकि बड़े बड़े साधकों के कई जन्म बीत जाते है आपकी एक झलक पाने के लिए इस अढईया ने तो कोई साधना भी नहीं की। भगवान बोले-जो दिल का साफ होता है,जिसमें अहंकार नहीं होता, जिसका दिल प्रेम और सच्चे भाव से भरा होता है उसे दर्शन देने में मैं देर नहीं लगाता। अढैया बहुत ही सच्चा और अहंकार रहित भक्त है। याद रखना भगवान तुम्हारा भाव देखते है साधना और अहंकार नहीं।

युवनाश्व : राम के पूर्वज ने धारण किया गर्भ

आज के आधुनिक युग में हम नए नए आविष्कार कर रहे हैं। विगत कुछ वर्षों से ये बात सिद्ध हो चुकी है कि ऐसी कई/अधिकतर चीजें जो आज हम बना रहे हैं, उसका वर्णन हमारे धर्म ग्रंथों में पहले ही दे दिया गया था। ये इस बात को सिद्ध करता है कि सनातन हिन्दू धर्म न केवल अति-प्राचीन है अपितु बहुत वैज्ञानिक भी। आज हम जो सरोगेसी की बात करते हैं वो सदियों पहले महाभारत में वर्णित था। उसी प्रकार आज के वैज्ञानिक इस बात पर भी शोध कर रहे हैं कि क्या पुरुष कृत्रिम रूप से गर्भ धारण कर सकते हैं? यह कथा इसी बात का उत्तर है। युवनाश्व का प्रसंग भारतीय पौराणिक कथाओं में पुरुष द्वारा गर्भ धारण करने की एकमात्र और अनोखी घटना है, जिसे ईश्वरीय कृपा या चमत्कार माना जाता है। हम सबने श्रीराम के वंश के बारे में पढ़ा है। ब्रह्मा जी से 19वीं पीढ़ी में एक राजा हुए महाराज युवनाश्व। महाराज युवनाश्व अपने आप में अनोखे हैं क्यूंकि उन्होंने पुरुष होते हुए भी गर्भ धारण किया था। इस कथा का वर्णन हमें नारद पुराण में मिलता है। युवनाश्व की पत्नी का नाम गौरी था। विवाह के बहुत वर्षों के बाद भी दोनों निःसंतान रहे। संतान प्राप्ति के लिए महाराज युवनाश्व ने वन जाकर तप करने का निश्चय किया। उन्होंने राज-पाठ मंत्रियों के हाथ सौंपा और वन जाकर तपस्या करने लगे। उसी दौरान उनकी भेंट महर्षि भृगु के पुत्र च्यवन ऋषि से हुई। जब महर्षि च्यवन ने महाराज युवनाश्व की समस्या सुनी तो उन्होंने उन्हें सांत्वना देते हुए कहा कि यज्ञ के प्रभाव से उन्हें संतान प्राप्त हो सकती है। तब महाराज युवनाश्व ने उनसे ही उस यज्ञ को संपन्न करने का अनुरोध किया। महर्षि की स्वीकृति के बाद महाराज युवनाश्व ने अपने मंत्रियों और सेना को वहाँ बुलाया और च्यवन ऋषि के निदेर्शानुसार एक महान इष्टि यज्ञ का आयोजन किया। वह यज्ञ 1 वर्ष तक अविलम्ब चलता रहा और यज्ञ समाप्ति पर महर्षि च्यवन ने एक मटके में अभिमंत्रित जल रख दिया जिसे पीकर महारानी गौरी गर्भ धारण कर सके। यज्ञ समाप्त होने के बाद सभी लोग थकान से पीड़ित होकर गहरी निद्रा में सो गए। रात्रि को महाराज युवनाश्व को अत्यधिक प्यास लगी और वे अपने सेवकों को पुकारने लगे। किन्तु अत्यधिक गहन निद्रा में होने के कारण किसी ने उनकी पुकार ना सुनी।

रजिस्ट्रेशन ऑफ न्यूज पेपर (सेंट्रल) रूल्स 1956 के अंतर्गत **कारपेंटर्स न्यूज** पत्र के संबंध में स्वामित्व तथा अन्य विवरण विषयक जानकारी।

घोषणा

(फार्म -4)

1 - प्रकाशन का स्थान	:	306 दिघे नगर को. ऑप. हाऊसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिंस्टन (वेस्ट) मुंबई - 400 013
2 - प्रकाशन की अवधि	:	मासिक
3 - मुद्रक का नाम	:	गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
पता	:	306 दिघे नगर को. ऑप. हाऊसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिंस्टन (वेस्ट) मुंबई - 400 013
4 - प्रकाशक का नाम	:	गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
पता	:	306 दिघे नगर को. ऑप. हाऊसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिंस्टन (वेस्ट) मुंबई -400 013
5 - संपादक का नाम	:	गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
पता	:	306 दिघे नगर को. ऑप. हाऊसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिंस्टन (वेस्ट) मुंबई - 400 013
6 - उन व्यक्तियों के नाम और पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों	:	गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा 306 दिघे नगर को. ऑप. हाऊसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिंस्टन (वेस्ट) मुंबई -400 013

मैं गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा घोषित करता हूँ कि मेरी जानकारी और विश्वास के मुताबिक ऊपर लिखित विवरण सही है।

स्थानः मुंबई
दिनांक : 10 मार्च 2026

हस्ताक्षर
(गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा)
प्रकाशक

HARRISON®
Glorious 75+ Years

आप सभी को

ईद उल फितर

की दिली मुबारकबाद

नॉट:- ऊपर दर्शायी गई फोटो सिर्फ उपहार को दर्शाने हेतु है मिलने वाला उपहार इनमे से भिन्न हो सकता है : रंग मॉडल इत्यादि ।

टोल फ्री नम्बर : 1-800-572-5795

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-
www.harrisonlocks.com | email : Info@harrisonlocks.com

9599281937

HARRISON®
Glorious 75+ Years

कारपेंटर भाइयों के लिए खुशखबरी

हरीसन के साथ काम करें, हर प्रोडक्ट पर QR स्कैन करें और आकर्षक इनाम पाएं

बनो हरीसन का
Mr. आनंद
रहो हमेशा आनंद में

आपकी मेहनत के लिए, नया सहारा
कारपेंटर भाइयों के लिए नई सौगातें!

कोलकाता प्रदर्शनी में हरीसन से जुड़े कारपेंटर भाइयों ने मिलकर एक प्रदर्शनी स्टॉल बनाया

30, 31 जनवरी & 01 फरवरी 2026 | **स्टॉल- बी 3, हॉल- A**

MATECIA
BUILDING PRODUCTS EXHIBITION

कोलकाता में आयोजित प्रतिष्ठित प्रदर्शनी के दौरान Harrison से जुड़े हमारे कारपेंटर भाइयों ने मिलकर एक ऐसा प्रदर्शनी स्टॉल तैयार किया, जिसने हर आने वाले विज़िटर का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। यह स्टॉल सिर्फ एक संरचना नहीं था, बल्कि वर्षों की मेहनत, अनुभव और हुनर का जीवंत उदाहरण था।हर एक कारपेंटर ने अपनी कला, समय और जुनून को इस स्टॉल में झोंक दिया, जिससे यह पूरे एग्ज़ीबिशन में सबसे अलग और सबसे बेहतरीन बनकर उभरा। स्टॉल का डिज़ाइन, फिनिशिंग और प्रेज़ेंटेशन इतना प्रभावशाली था कि हर कोई इसकी तारीफ किए बिना रह नहीं पाया।यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि जब Harrison परिवार के कारपेंटर भाई एकजुट होकर काम करते हैं, तो वे सिर्फ स्टॉल नहीं, बल्कि भरोसे और क्वालिटी की पहचान बनाते हैं।

हरीसन प्रोडक्ट पॉइंट अर्जित करने का तरीका किया और भी आसान

मात्र क्यू आर कॉड को स्कैन करने पर पाए उपहार

हरीसन का नया QR स्कैनिंग फीचर – कारपेंटर्स के लिए आसान इनाम!

देश के भरोसेमंद ब्रांड हरीसन ने कारपेंटर्स के लिए QR स्कैनिंग फीचर लॉन्च किया है, जिससे उपहार जीतना अब और भी आसान हो गया है।

कारपेंटर्स को हरीसन प्रोडक्ट की पैकिंग में दिए गए QR कोड को स्कैन करना है, और उनके रजिस्टर्ड प्रोफाइल पर पॉइंट्स अपने आप जुड़ जाएंगे। अब प्रोडक्ट की कट्टिंग संभालने की जरूरत नहीं, बस स्कैन करें और इनाम पाएं।

यह पहल कारपेंटर्स की सहूलियत और प्रोत्साहन के लिए की गई है। हरीसन हमेशा अपने कारीगरों के साथ खड़ा है!

उपहार जीतने की प्रक्रिया

- **स्टेप 1** — मोबाइल मे हरीसन सुविधा एप्लीकेशन डाउनलोड करे, और अपनी ID बनाकर लॉगिन करे।
- **स्टेप 2** — प्रोडक्ट पैक के अंदर लगे QR CODE को सुविधा एप्लीकेशन मे स्कैन करे और MRP के बराबर पॉइंट इकट्ठा करे।
- **स्टेप 3** — दिये गये 7 उपहार के आधार पर अपने पॉइंट REDEEM करे, और उपहार जीते

Suvidha
iSoftCare Technology

प्ले स्टोर पर (HARRISON SUVIDHA APP) सर्च कर के हरीसन लोगो एप्लीकेशन अपने फ़ोन मे इनस्टॉल करे।

Advt

मोगली वाला जंगल : इंदिरा प्रियदर्शनी पेंच राष्ट्रीय उद्यान

मुंबई। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र राज्यों की सीमा पर स्थित सतपुड़ा पर्वतमाला की दक्षिणी तलहटी में लगभग 757.90 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस क्षेत्र को 1983 में बाघ अभयारण्य योजना के तहत संरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया था। बाद में 1992 में इसे इंदिरा प्रियदर्शनी पेंच राष्ट्रीय उद्यान (या मोगली पेंच) घोषित किया गया।

पेंच राष्ट्रीय उद्यान का नाम पेंच नदी के नाम पर रखा गया है। यह नदी छिंदवाड़ा जिले और सिवनी जिले के बीच बहती है। सर विलियम हेनरी स्लीमैन द्वारा लिखित नोट्स के आधार पर रुडयार्ड किपलिंग ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक द जंगल बुक लिखी। यह विश्व

भर में एक प्रसिद्ध रचना है। इसमें वर्णित पात्र मोगली बहुत लोकप्रिय है। दरअसल, कुछ ऐसी घटनाएं बताई जाती हैं जो जंगल बुक की कहानी का आधार है। माना जाता है कि ये घटनाएं सन 1831 के आसपास सिवनी जिले के सान पौनी नामक गांव में घटी थीं। पुस्तक में वर्णित कुछ घटनाएं कान्हीवाड़ा गांव और सिवनी की पहाड़ियों में घटित हुई बताई जाती हैं, जब मोगली सिवनी में वैनगंगा नदी के किनारे घूमता था और उसने शेर खान को मार डाला था।

मोगली नाम बच्चों के लिए बहुत जाना-पहचाना है। आज भी इस पर कई फिल्में और वृत्तचित्र बन चुके हैं और लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। मोगली अपने बचपन में शेर खान नाम के बाघ से अपने परिवार को बचाते हुए अपने पिता को खो देता है। बाद में वह जंगल में चला जाता है और जानवरों के साथ रहने लगता है। वह उनसे दोस्ती करता है और जंगल के नियम और जीवन शैली सीखता है। विशेष रूप से बघीरा और बालू उसका मार्गदर्शन करते हैं। बाद में शेर खान मोगली को मारने की कोशिश करता है। मोगली को पता चलता है कि उसके पिता की हत्या शेर खान ने की थी और वह सबकी मदद से शेर खान को हरा देता है। यह कहानी गहरी भावनाओं और रोचक तथ्यों से भरपूर है।

पशु और प्राकृतिक संसाधन

बेंच राष्ट्रीय उद्यान में बाघों के अलावा चीतल हिरण, तेंदुआ, जंगली सूअर, भारतीय बाइसन (गौर), सांभर हिरण, नीलगाय, भेड़िया, जंगली कुत्ता, लकड़बग्घा, सिंगारा, पार्क हिरण, मोर, विभिन्न पक्षी, बंदर आदि कई प्रकार के जानवर पाए जाते हैं। यह क्षेत्र हरे-भरे जंगलों और दुर्लभ जड़ी-बूटियों और पारंपरिक वृक्षों से समृद्ध है। पशु और प्रकृति प्रेमी इन खूबसूरत नजारों को देखने के लिए सुबह और शाम को जीप में सफारी का आनंद ले सकते हैं। यह एक अविस्मरणीय अनुभव होगा।

रणजी ट्रॉफी विजेता का सम्मान

जम्मू। विश्वकर्मा मंदिर कमेटी मिश्रीवाला के चेयरमैन मंगलदास वर्मा ने हाल ही में रणजी ट्रॉफी विजेता हुई जम्मू कश्मीर के खिलाड़ी सुनील कुमार वर्मा को बधाई देने उनके घर गांव कठाड़, तहसील मांदरयां, जिला जम्मू पहुंचे। कठाड़ जम्मू से करीब 60 किमी दूर रियासी जिले की सीमा पर स्थित है। सुनील कुमार वर्मा को ट्रॉफी देकर नोटों का हार पहना कर सम्मानित किया गया। उनके साथ मास्टर प्रीतम लाल वर्मा, बलवंत कटारिया, ओम कटारिया व महिलाएं भी शामिल थीं। वापसी पर गांव गोसान के एक निर्धन परन्तु होनहार विद्यार्थी को श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी न्यू प्लाट जम्मू की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन देते हुए कुछ नोटबुक भेंट की गई।

शिक्षा से होगा समाज का उत्थान

समाज सुधारक संतराम बीए की जयंती मनाई गई

संत राम बीए ने जाती भेद को खत्म करने के लिए जीवनभर लड़ाई लड़ी। वो एक सामाजिक क्रांति के महानायक थे।

जम्मू। संत राम बीए एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी, जम्मू कश्मीर यूनिट की ओर से संत राम बीए की 140वीं जयंती रविदास सभा मेगा कन्वेंशन में आयोजित की गई। इस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि रूरल डेवलपमेंट यूपी सरकार के अपर निदेशक डॉ. वरदानी प्रजापति व हरियाणा से डॉ. कंवल किशोर प्रजापति, डॉ. अजय सिंह वर्मा, सुरेंद्र प्रजापति गेस्ट ऑफ ऑनर थे। सोसाइटी के चेयरमैन एफसी सतिया ने कहा कि संतराम बीए एक जाने-माने हिंदी लेखक, समाज सुधारक और जाति-विरोधी एक्टिविस्ट थे। पंजाब में जन्मे, उन्होंने 1922 में जातिविहीन समाज की वकालत करने के लिए जात पात तोड़क

मंडल की स्थापना की, खासकर डॉ. बी. आर. आंबेडकर को 1935 में अपना मशहूर भाषण जाति का उन्मूलन देने के लिए बुलाया था । संतराम बीए ने 20वीं सदी में जाति व्यवस्था, छुआछूत और रूढ़िवादी परंपराओं को खत्म करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। समाजसेवी बलवंत कटारिया ने कहा कि एससी/ ओबीसी के हर मंदिर में एक लाइब्रेरी होनी चाहिए ताकि इन समुदायों के बच्चे पढ़कर समाज का नाम रोशन कर सकें। ऊंचाई पाने के लिए मंदिर की नहीं, स्कूल की जरूरत होती है। जम्मू प्रांत में कई मंदिर हैं जिन्होंने विश्वकर्मा लाइब्रेरी से प्रेरणा लेकर बच्चों के लिए लाइब्रेरी खोली हैं। श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी सैकड़ों सामाजिक समूहों को शिक्षा की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित कर चुकी है। श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी न केवल लोहारों के लिए काम कर रही है बल्कि दूसरे समुदायों तक भी अपनी रोशनी फैला रही है। कटारिया ने कहा कि संत राम बीए वेलफेयर सोसाइटी जम्मू कश्मीर यूनिट खोलना प्रजापति समुदाय के उत्थान की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि जाति-रहित समाज के लिए संत राम की कोशिशें आज के समय की जरूरत हैं। श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी और संत राम बीए मिशन ने हिस्सा लेने वाले स्टूडेंट्स को नोटबुक बांटी जो श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी द्वारा दान दी गयी थी। संत राम बीए के जीवन इतिहास पर विचार-विमर्श करने वालों में एड. अशोक बसोत्रा, शाम लाल बसन, आर के चलोत्रा, विश्वकर्मा लाइब्रेरी प्रभारी जोगिंदर अंगोत्रा, ओम कटारिया आदि प्रमुख थे।

सबसे बड़े थायराइड ट्यूमर सर्जरी से बची मरीज की जान

मुंबई। क्रिटी केयर एशिया मल्टी-स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने जबड़े के हिस्से से छाती में गहराई तक फैले एक बड़े थायराइड ट्यूमर की एक दुर्लभ और बहुत मुश्किल जान बचाने वाली सर्जरी सफलतापूर्वक की, जो मरीज के सिर से भी बड़ा था। इस ऑपरेशन को डॉ. संजय हेलाले ने किया, जिनकी सिर और गर्दन की एडवांस्ड सर्जरी और क्रिटिकल एयरवे मैनेजमेंट में एक्सपर्टीज मरीज की जान बचाने में बहुत अहम साबित हुई।

54 वर्षीय एक महिला मरीज गर्दन में लगातार बढ़ती सूजन के साथ हॉस्पिटल में आई, जिसके सांस फूल रही थी और निगलने में दिक्कत हो रही थी। आवाज भारी हो रही थी और सांस की तकलीफ बढ़ने की वजह से सीधा लेट नहीं पा रही थी। जांच और इमेजिंग से पता चला कि जबड़े के हिस्से से छाती में गहराई तक फैली एक बड़ी मल्टीनोड्यूलर थायराइड ग्लैंड (रेट्रोस्टर्नल मीडियास्टिनम) थी, जिससे सांस की नली में बहुत ज्यादा दबाव पड़ रहा था और वह मुड़ रही थी, जिससे सांस की नली में रुकावट आने वाली थी।

एयरवे की बहुत ज्यादा रिस्क वाली स्थिति को देखते हुए, एक सावधानी से कोऑर्डिनेटेड एयरवे स्ट्रेटेजी बनाई गई। डॉ. सईदा मैडम की लीडरशिप में एनेस्थीसिया टीम ने शुरू में अवेक फ्लेक्सिबल फाइबर-ऑप्टिक इनट्यूबेशन की कोशिश की, लेकिन बड़े ट्यूमर की

वजह से एयरवे के बहुत ज्यादा सिकुड़ने और बिगड़ी हुई एनाटॉमी की वजह से यह कोशिश नाकाम रही। मुश्किल एयरवे मैनेजमेंट में तेज क्लिनिकल जजमेंट और एक्सपर्टीज दिखाते हुए टीम ने रिजिड एंडोस्कोपिक विजुअलाइजेशन का इस्तेमाल करके एयरवे को सफलतापूर्वक सुरक्षित किया, जिसके बाद बोगी-असिस्टेड एंडोट्रेकियल इंट्यूबेशन किया गया, जिससे सर्जरी के लिए एनेस्थीसिया सुरक्षित रूप से दिया जा सका।

यह सर्जरी डॉ. संजय हेलाले की लीडरशिप में की गई, जिसमें डॉ. राकेश बाधे ने सर्जिकल प्रोसीजर के दौरान उनकी मदद की। डॉ. शाहिद बरमारे ने केस का मेडिकल मैनेजमेंट किया। बहुत ज्यादा एनाटॉमिकल डिस्टॉर्शन और ग्लैंड के गहरे रेट्रोस्टर्नल एक्सटेंशन के बावजूद टेक्निकली मुश्किल टोटल थायरॉइडेक्टॉमी सफलतापूर्वक की गई। बहुत ध्यान से की गई सर्जिकल तकनीक से, बार-बार होने वाली लैरिंजियल नसों और पैराथायरॉइड ग्रंथियों को सावधानी से बचाया गया, जिससे आवाज में हमेशा के लिए कमी और लंबे समय तक चलने वाली मेटाबोलिक दिक्कतों को रोका जा सका। काटी गई थायराइड ग्रंथि का साइज लगभग 2522 सेमी था, जिससे यह भारतीय मेडिकल लिटरेचर में बताए गए सबसे बड़े थायराइड ट्यूमर में से एक बन गया।

सर्जरी के बाद सांस की नली में लंबे समय तक दबाव और एयरवे के खराब होने के खतरे को देखते हुए, डॉ. संजय हेलाले ने ऑपरेशन के बाद के समय में सुरक्षित एयरवे मैनेजमेंट पक्का करने के लिए सावधानी के तौर पर ट्रेकियोस्टॉमी की इस फैसले ने मरीज की स्थिर रिकवरी में काफी मदद की।

Zubaan Ke पक्के Rewards

कारपेंटर भाइयो के लिए ऑफर

EURO 7000 Wood Adhesive

15 Rs/- टोकन / पाउच + 1 पॉइंट / पाउच

25 Rs/- टोकन / पाउच + 2 पॉइंट्स / पाउच

सिर्फ 210 Points पर पाइये

American Tourister Trolley Bag Worth ₹ 8,800/- अथवा Cutter Machine अथवा Drill Machine

अथवा

अथवा

American Tourister Trolley Bag worth Rs. 8,800/-

Cutter Machine Or Drill Machine

पाइए Duffle Bag worth ₹3,800/- सिर्फ 70 Points में।

पाइए Bag + Water Bottle worth ₹3,350/- सिर्फ 100 Points में।

पाइए Symphony Tower Fan worth ₹8,799/- सिर्फ 300 Points में।

SURROUND
- Bladeless Turbo Throw TM (BLTT) Technology
- Powerful 20ft Air Throw*
- Swivel Action for Surround Air
- Consumes 135 watts* only

100 POINTS REDEEM करो और पाओ

Noise Colorfit Pulse Grand 3 Smart Watch Worth Rs. 6,999/-

~~560~~

140 POINTS REDEEM करो और पाइए

REDMI POWER BANK 20,000 MAH WORTH RS. 3,199/-

स्कन करें और पाओ

Google Play | App Store

TERMS & CONDITIONS
* इस Offer का लाभ उठान क लिए "EURO7000 DIGITAL" Application Download करें और Points Scan करें।
* यह ऑफर Limited Time क लिए ह।
* कपनी इस स्कीम को कभी भी बदलन या बद करन का अधिकार रखती है।

www.euroadhesives.com

अक्षरा सिंह पर बरसी अंबे मां की कृपा

चैत्र नवरात्रि शुरू होने वाली हैं। इससे पहले भोजपुरी अदाकारा अक्षरा सिंह पर अंबे मां की कृपा बरसी है। फिल्म अंबे है मेरी मां का ट्रेलर बी4यू भोजपुरी के यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुआ है। करीब पांच मिनट के इस ट्रेलर में दिखाया गया है कि अक्षरा सिंह के सिर पर माता-पिता का साया नहीं है। वह चाचा चाची के साथ रहती है और वो लोग घर के काम कराते हैं। परेशान रखते हैं। बचपन से अक्षरा की आस्था मां अंबे में अटूट है। माता रानी भी अक्षरा की कदम-कदम पर रक्षा करती हैं। अक्षरा सिंह ने इंस्टग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर ट्रेलर रिलीज पर खुशी जताई

है। उन्होंने लिखा है कि वे अपनी निजी जिंदगी में भी बचपन से ही माता रानी पर अटूट आस्था रखती हैं। अक्षरा ने लिखा है, बचपन से ही मातरानी से मेरा एक अलग ही नाता रहा है। शायद उसी कृपा का फल है कि मुझे अम्बे है मेरी मां जैसी पावन फिल्म का हिस्सा बनने का अवसर मिला। इसका ट्रेलर रिलीज हुआ है, दिल भावुक है। पूरी टीम के साथ काम करने का अनुभव बेहद सुंदर रहा। मेरे लिए ये फिल्म सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि मां दुर्गा के आशीर्वाद से जुड़ा एक बहुत ही भावनात्मक सफर है। इस फिल्म का निर्देशन प्रवीण कुमार गुड्डूरी ने किया है। अक्षरा के अलावा फिल्म में पाखी हेड़गे, राकेश बाबू , देव सिंह, प्रेम दुबे, विद्या सिंह और रामसुजान सिंह जैसे सितारे भी हैं। ट्रेलर को दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।

केरल स्टोरी 2 पर भड़कीं स्वरा

बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर हमेशा ही किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। अक्सर स्वरा को हर मुद्दे पर खुलकर अपनी बात रखते देखा जाता है। कई बार उन्हें अपने इन्हीं बेबाक बयानों की वजह से ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में अब एक बार फिर से स्वरा अपनी एक पोस्ट को लेकर खबरों में आई हैं। इस बार उन्होंने हालिया रिलीज फिल्म केरल स्टोरी-2 पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है, जो तेजी से वायरल हो रहा है। स्वरा ने फिल्म केरल स्टोरी-2 पर कड़ी प्रतिक्रिया

देते हुए अपना गुस्सा जाहिर किया है। स्वरा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कहा कि फिल्म के जरिए सिर्फ एक समुदाय के प्रति नकारात्मकता फैलाई जा रही है। एक्ट्रेस ने स्टोरी पर फिल्म केरल स्टोरी-2 का पोस्टर शेयर किया और एक लंबा-चौड़ा नोट लिखा। उन्होंने लिखा कि अगर आपने द केरल स्टोरी 2 फिल्म या फिर इसका ट्रेलर देखा है तो आपको पता होगा कि इस फिल्म के जरिए एक वर्ग को राक्षस दिखाया गया है।

रश्मिका ने कहा कानूनी कार्रवाई करेंगे

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने कहा कि वह उन लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगी जो उनकी पुरानी निजी बातचीत को अब फैलाकर उनके विवाह के तुरंत बाद विवाद पैदा कर रहे हैं। मंदाना ने एक्स पर लिखा कि मेरे प्यारे लोगों के लिए, जो इस अद्भुत यात्रा में मेरे साथ रहे और उनके लिए जो इस मामले से जुड़े हैं। आठ वर्ष हो गए हैं, जब मीडिया के कुछ वर्गों व डिजिटल तौर पर सक्रिय व्यक्तियों द्वारा मेरे खिलाफ लक्षित हमलों का अभियान शुरू किया गया था।

राजपाल यादव की छोटा डॉन अवतार में वापसी

राजपाल यादव पिछले दिनों काफी चर्चा में रहे। चेक बाउंस मामले में वह तिहाड़ जेल से हाल ही में जमानत पर रिहा हो गए थे, जिसके बाद वह अपनी भतीजी की शादी में शामिल हुए। वहीं अब फिल्मी दुनिया में लौट चुके हैं। हाल ही में उनकी अक्षय कुमार के साथ अपकमिंग फिल्म भूत बंगला का टीजर रिलीज किया गया है, जिसमें वह अपने पुराने अवतार में नजर आ रहे हैं। लेकिन इसके बाद अब राजपाल यादव ने इंस्टाग्राम पर नया वीडियो शेयर कर दिया है, जिसमें वह छोटे डॉन के अवतार में वापसी करते हुए दिख रहे हैं। खास बात यह है कि वीडियो में बिग बॉस वाली तान्या मित्तल भी नजर आ रही हैं।

बीते दिन अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म भूत बंगला का टीजर रिलीज किया गया, जिसमें राजपाल यादव के अलावा परेश रावल नजर आए। वहीं इसमें पुराना

कॉमेडी अवतार देखने को मिल रहा है, जिसके चलते फैंस काफी एक्साइटेड हैं। भूत बंगला 10 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने को तैयार है, जो कि जेल से निकलने के बाद राजपाल यादव की पहली फिल्म होगी।

नतालिया ने कर ली शादी

सलमान खान का टीवी रिएलिटी शो बिग बॉस 19 भले ही खत्म हो गया, लेकिन इस शो में शामिल हुए तमाम सितारे अक्सर ही चर्चा में बने रहते हैं। पोलिश एक्ट्रेस नतालिया भी इस टीवी रियलिटी शो का हिस्सा बनी थीं। इसके जरिए उन्हें काफी पॉपुलैरिटी मिली थी। शो में यूट्यूबर मृदुल तिवारी के साथ उनकी जोड़ी काफी पसंद की गई थी। शो खत्म होने के बाद ही नतालिया अक्सर चर्चा में बनी रहती हैं। अब सोशल मीडिया पर उनकी शादी की बातें हो रही हैं।

बिग बॉस फेम नतालिया का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो सिंगर दानिश अल्फाज के साथ नजर आ रही हैं। दोनों बेहद ही खूबसूरत आउटफिट में नजर आ रहे हैं। नतालिया व्हाइट कलर की लेस वाली वेडिंग ड्रेस में दिख रही हैं, तो वहीं दानिश सूट पहने हुए हैं। दोनों एक दूसरे का हाथ थामे नजर आ रहे हैं और काफी खुश दिख रहे हैं। वीडियो बना रही महिला दोनों से पूछते हुए कहती हैं, नतालिया मैडम और दानिश सर, कैसा लग रहा है।

नतालिया मुस्कुराते हुए कहती हैं, मैं बहुत खुश हूं। ये मेरे हस्बैंड हैं। इस पर दानिश कहते हैं, आखिरकार हो गया। जैसे ही ये वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, लोगों ने दोनों की बधाई देनी शुरू कर दी। जहां एक तरफ लोग दोनों को मुबारकबाद दे रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ कई लोग ये भी पूछ रहे हैं कि क्या दोनों ने सच में शादी कर ली है या फिर कुछ और मामला है।

अजय देवगन की गैंग में अब अक्षय कुमार की एंट्री

बॉलीवुड के मशहूर निर्देशक रोहित शेट्टी के जन्मदिन पर फैंस को बड़ा सरप्राइज मिला है। उन्होंने अपने जन्मदिन पर सुपरहिट कॉमेडी फ्रेंचाइजी गोलमाल की अगली फिल्म गोलमाल 5 का ऐलान कर दिया गया है। खास बात यह है कि इस बार फिल्म में सुपरस्टार अक्षय कुमार भी नजर आएंगे, जिससे फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है।

फिल्म की घोषणा के साथ एक मजेदार वीडियो भी शेयर किया गया है। वीडियो में अजय देवगन, अरशद वारसी, श्रेयस तलपड़े, कुणाल खेमू और तुषार कपूर साथ नजर आते हैं और फ्रेंचाइजी में

शरमन जोशी की वापसी का जश्न मनाते दिखते हैं। वीडियो के आखिर में असली सरप्राइज मिलता है, जब अक्षय कुमार की एंट्री होती है। उनके आते ही टीम की मस्ती और बढ़ जाती है और माहौल और भी मजेदार हो जाता है।

अक्षय ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि रोहित शेट्टी के जन्मदिन पर यह पागलपन और भी बड़ा और मजेदार होने वाला है। उन्होंने कहा कि वह गोलमाल 5 के इस क्रेजी परिवार का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हैं। रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी गोलमालः फन अनलिमिटेड से इस फ्रेंचाइजी की शुरूआत साल 2006 में हुई थी। फिल्म अपनी स्लैपस्टिक कॉमेडी, अजीबोगरीब किरदारों और मजेदार कहानी के कारण दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हो गई।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460 मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा. *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

खाड़ी देशों से आयात होता है 90 फीसदी खजूर

ईरान इजरायल युद्ध से महंगा हुआ पिस्ता, बादाम, केसर

भारत में सबसे अधिक मात्रा में साधारण खजूर यूएई से आयात किया जाता है। ओमान से भी सूखी और ताजी खजूर की बड़ी खेप भारत आती है। अफगानिस्तान से भी बड़ी मात्रा में सूखे मेवे आयात किए जाते हैं।

मुंबई। मस्जिद बंदर में करीब 200 वर्षों से सूखे मेवे का कारोबार हो रहा है। करीब 70 से अधिक अब भी दुकानें हैं जहां से मुंबई को सूखे मेवे की आपूर्ति की जाती है। ईरान इजराइल युद्ध के बाद से सूखा मेवा का कारोबार बेहद मंदी के दौर से गुजर रहा है। सूखा मेवा का कारोबार त्योहारों पर सबसे अधिक होता है। रमजान को देखते हुए व्यापारियों ने बड़ी संख्या में स्टॉक जमा कर लिया था लेकिन अगर ईरान इजराइल युद्ध लंबा चला तो सूखे मेवे की कमी हो जाएगी।

भारत में बादाम, पिस्ता, केसर और खजूर ईरान से आयात किया जाता है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से सूखे मेवे की कीमतों में 10 -15 फीसदी की बढ़ोत्तरी हो गई है। रमजान के महीने में खजूर और पिस्ता की सबसे अधिक डिमांड रहती है। भारत अपनी कुल खजूर का करीब 80-90 फीसदी खजूर खाड़ी देशों से आयात करता है। भारत में सबसे अधिक मात्रा में साधारण खजूर यूएई से आयात किया जाता है। ओमान से भी सूखी और ताजी खजूर की बड़ी खेप भारत आती है। अफगानिस्तान से भी बड़ी मात्रा में सूखे मेवे आयात किए जाते हैं। पाकिस्तान से आयात का रास्ता बंद हो जाने के बाद से अफगानिस्तान के सूखे मेवे ईरान के चाबहार बंदरगाह से लाया जाता था जिसे अब बंद कर दिया गया है।

मुंबई मेवा मसाला मर्चेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेश गणात्रा ने बताया कि सूखा मेवा का व्यवसाय इस समय बेहद मंदी के दौर से गुजर रहा है। सूखा मेवा का कारोबार त्योहारों पर सबसे अधिक होता है। रमजान के बाद हालांकि कोई त्योहार नहीं है, अब सीधे रक्षाबंधन का त्योहार आयेगा तब तक स्थिति सुधर जाएगी तो अच्छा है अन्यथा खाड़ी संकट का सीधा असर आम उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ेगा। त्योहारों और शादी के सीजन में सूखे मेवों की मांग बढ़ जाती है, ऐसे में कीमतों में वृद्धि से खर्च बढ़ेगा। व्यापारियों के पास पर्याप्त स्टॉक मौजूद है, जिससे अगले एक-दो महीने तक बाजार में कोई बड़ी कमी नहीं आएगी लेकिन खाड़ी युद्ध लंबा चला तो सूखे मेवे की कीमतों में भारी वृद्धि दिखेगी।

मेघालय में फिर नजर आया दुर्लभ फूल

शिलांग। बोटैनिकल सर्वे ऑफ इंडिया के वैज्ञानिकों को मेघालय के मासिनराम में स्ट्रॉबिलेंथस खासियाना नामक दुर्लभ पौधा मिला है। इस फूल को आखिरी बार 1930 में देखा गया था, जिसके बाद से माना जा रहा था कि यह धरती से खत्म हो चुका है। यह फूल मुख्य रूप से अगस्त से जनवरी के बीच खिलता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह खोज साबित करती है कि मेघालय के घने और ऊबड़-खाबड़ जंगलों में अभी भी प्रकृति के कई ऐसे खजाने छिपे हैं, जिन्हें हम खोया हुआ मान चुके हैं। यह दोबारा मिलना पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से अच्छी खबर है।

मैदानी भागों में उगाया जा सकेगा करेमू साग

तालाबों-जलाशयों में उगने वाला करेमुआ का साग अब खेतों में भी उगाया जा सकेगा। खनिज, विटामिन और फाइबर से भरपूर करेमू साग को जलीय पौधा कहा जाता है लेकिन अब इसे मैदानी भागों में उगाने के साथ इसके पौधे से ज्यादा उपज भी लिया जा सकेगा।

बनारस। शाहंशाहपुर स्थित भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान ने देश की पहली करेमुआ की प्रजाति काशी मनु विकसित की है। यह कलमी साग मैदानी भागों और जलीय क्षेत्रों में उग सकता है। खास यह कि इसमें बीमारी और कीड़े भी नहीं लगते हैं। लम्बे समय से पारंपरिक आहार का अभिन्न हिस्सा रहा करेमुआ तालाबों में उगता था। खराब पानी की वजह से इसमें टॉक्सिक (विषाक्त) पदार्थ भी आ जाते थे।

आईआईवीआर के निदेशक डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि संस्थान के वैज्ञानिकों ने इस प्राचीन सब्जी के घरेलूकरण का मिशन शुरू किया। सतत अनुसंधान और नवीन खेती तकनीकों से उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र की पहली किस्म काशी मनु विकसित की। इस कलमी साग को सामान्य पत्तेदार सब्जियों की तरह ऊंची भूमि वाले खेतों में भी उगाया जा सकेगा। इस उपलब्धि ने कलमी साग को एक सीमित जलीय पौधे से बदलकर ज्यादा उपज देने वाली, व्यावसायिक रूप से फायदेमंद और वर्ष भर उगाई जाने वाली फसल बना दिया। यह कृषि नवाचार की शक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण है। काशी मनु किस्म को विकसित करने वाले प्रधान वैज्ञानिक डॉ. राकेश कुमार दुबे ने बताया कि इसके प्रति 100 ग्राम खाद्य भाग में काबोर्हाइड्रेट (3.14 ग्राम), कैल्शियम (141.92 मिग्रा), आयरन (59.67 मिग्रा), मैग्नीशियम (462.22 मिग्रा), जिंक (1.59 मिग्रा), ऊर्जा (19.0 किलो कैलोरी), आहार रेशा (2.19 ग्राम) तथा विटामिन-ए (6300 आईयू) पाया जाता है। काशी मनु में कम घुलनशील ऑक्सलेट स्तर (79.2 मिग्रा/100 ग्राम ताजा भार) है, जो अमरंथ यानी चौराई (274.7 मिग्रा/100 ग्राम), पालक (490.5 मिग्रा/100 ग्राम) और पालक साग (669.05 मिग्रा 100 ग्राम) की तुलना में कहीं कम है।

रूह अफजा फ्रूट ड्रिंक कैटेगरी में

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हमदर्द लैबोरेटरीज के लोकप्रिय ड्रिंक रूह अफजा को लेकर अहम फैसला सुनाया। रूह अफजा को फ्रूट ड्रिंक/प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट की कैटेगरी में रखा जाएगा और इस पर 12.5 प्रतिशत के बजाय केवल चार प्रतिशत वैट लगेगा। यह फैसला यूपी वैट अधिनियम के तहत कर निर्धारण से जुड़ा है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने हमदर्द लैबोरेटरीज की अपील स्वीकार करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया।

20 हजार हेक्टेयर जमीन पर फूलों की खेती

महाराष्ट्र में आर्टिफिशियल फूलों पर सरकार ने लगाई रोक

चीन से आर्टिफिशियल फूलों के आने के बाद से त्योहारों पर अब फूलों की बिक्री कम हो गई है। मुंबई के सबसे बड़े दादर स्थित मीनाताई ठाकरे फूल बाजार में गणेशोत्सव के अवसर पर करीब सवा करोड़ रुपए तक की फूलों बिक्री होती है। आर्टिफिशियल फूलों के आने के बाद बिक्री में लगातार गिरावट आई है।

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने आर्टिफिशियल फूलों की बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। विधानसभा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की ओर से कृत्रिम फूलों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध की घोषणा का फूल कारोबारियों ने जोरदार स्वागत किया। फूल कारोबारियों ने कहा कि आर्टिफिशियल फूलों की वजह से फूल उत्पादक किसानों और इसके साथ जुड़े हजारों लोगों की आजीविका प्रभावित हुई है। देश में आर्टिफिशियल फूलों की बिक्री, इंपोर्ट और डिस्ट्रीब्यूशन पर पूरी तरह रोक लगाया जाना चाहिए। फूल धरती को प्रकृति का अनमोल उपहार हैं। फूल किसी खास व्यक्ति के प्रति अपने प्यार, भावनाओं और संवेदनाओं को व्यक्त करने का एक बेहतरीन तरीका हैं। हर फूल प्रकृति में खिलती हुई एक आत्मा है। फूल धार्मिक अनुष्ठानों को पूरा करने और सजावट में रंग भरने के साथ-साथ पर्यावरण को भी शुद्ध रखते हैं जबकि कृत्रिम फूलों से पर्यावरण को नुकसान होता है।

मीनाताई ठाकरे फूल बाजार के अध्यक्ष दिनेश पुंडे ने कहा कि आर्टिफिशियल फूलों की वजह से प्राकृतिक फूलों की बिक्री कम हो गई। दीपावली, दशहरा जैसे त्योहारों पर फूलों की खरीदी नहीं होने से फूल बाजार के बाहर की तरफ फूलों का कचरे का ढेर लग जाता है। प्लास्टिक और कागज के फूलों के कारण अब लोग प्राकृतिक फूल नहीं खरीदते हैं, जिससे फूल उत्पादक किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। गणेशोत्सव, दीपावली त्यौहार पर मार्केट में बिकने वाले नकली फूलों के कारोबार से असली फूलों का व्यापार प्रभावित हो रहा है। कई पीढ़ियों से चले आ रहे फूल के व्यापार पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। पुंडे ने कहा कि फूलों की डिमांड अब गिने चुने तीज त्योहार और शादियों में ही होती है। धार्मिक आयोजनों और त्योहारों को छोड़ दें तो बाकी समय असली फूलों की डिमांड खत्म सी हो गई है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि डेकोरेशन में आर्टिफिशियल फूलों का इस्तेमाल अधिक होने लगा है। पहले शादी-विवाह और अन्य धार्मिक कार्यक्रमों में फूलों की काफी मांग बनी रहती थी। अब लोगों का झुकाव आर्टिफिशियल फूलों की ओर ज्यादा देखने मिल रहा है। शादी विवाह में असली फूलों से डेकोरेशन की जगह आर्टिफिशियल फूलों का उपयोग अधिक किया जा रहा है। गणेशोत्सव में सबसे अधिक आर्टिफिशियल फ्लावर बिकते हैं। शादी विवाह में आर्टिफिशियल फूलों का सबसे अधिक उपयोग हो रहा है, इसलिए डेकोरेशन में आर्टिफिशियल फूलों के उपयोग पर रोक लगाया जाना चाहिए और यह रोक सिर्फ मुंबई नहीं बल्कि पूरे में लगाया जाना चाहिए।

राज्य में करीब 20 हजार हेक्टेयर जमीन पर फूलों की खेती होती है। फूलों की खेती से फूल उत्पादक किसानों को 2 हजार करोड़ रुपए की कमाई होती है। चीन से आर्टिफिशियल फूलों के आने के बाद से त्योहारों पर अब फूलों की बिक्री कम हो गई है। मुंबई के सबसे बड़े दादर स्थित मीनाताई ठाकरे फूल बाजार में गणेशोत्सव के अवसर पर करीब सवा करोड़ रुपए तक की फूलों बिक्री होती है। आर्टिफिशियल फूलों के आने के बाद बिक्री में लगातार गिरावट आ रही है। बरसात के मौसम व चातुर्मास में फूलों की बिक्री काफी कम हो जाती है, लेकिन गणेशोत्सव पर्व से फूलों की डिमांड बढ़ जाती है जो दीपावली दशहरे तक कायम रहती है। मुंबई में फूल व्यवसाय से करीब एक लाख लोग जुड़े हुए हैं, जिसमें फूल कारोबारियों के अलावा डेकोरेटर्स, माला बनाने वाले, खुदरा व्यापारी, हमाल, ट्रांसपोर्टर आदि शामिल हैं।

शीतला अष्टमी : स्वास्थ्य चेतना का प्रतीक पर्व

प्रत्येक वर्ष होली के आठवें दिन शीतला अष्टमी का पर्व मनाते हैं। सदियों से चली आ रही इस पर्व की परंपरा में धार्मिक आस्था के साथ ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी शामिल है। यह पर्व हमें अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग बनने की प्रेरणा भी देता है।

चैत्र मास के कृष्णपक्ष की सप्तमी और अष्टमी को शीतला सप्तमी और शीतला अष्टमी पर्व के रूप में मनाया जाता है। इसे कहीं-कहीं बासोड़ा भी कहा जाता है। चूंकि इस दिन माता शीतला को ठंडा भोग अर्पित किया जाता है, इसलिए इसे शीतला अष्टमी या बासी भोजन से भोग लगाने के कारण बासोड़ा भी कहते हैं। मान्यता है कि इस दिन मां शीतला जो कि देवी दुर्गा का ही एक रूप है बासी रोटी, गुड़ या दही के साथ प्रसाद के रूप में ग्रहण करती हैं। यह पर्व इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें जितनी धार्मिक आस्था, उतनी की महान स्वास्थ्य से जुड़ी वैज्ञानिक परंपरा भी शामिल है।

इस पर्व को प्रमुख तौर पर उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, बिहार, हरियाणा, पंजाब और दिल्ली आदि राज्यों में मनाया जाता है। बदलते मौसम में मनाया जाने वाला यह पर्व महज धार्मिक अनुष्ठान नहीं है बल्कि भारतीय समाज की सबसे प्राचीन स्वास्थ्य चेतना और पर्यावरणीय समझ का आईना भी है। शीतला माता को रोगों से रक्षा करने वाली देवी भी माना जाता है। गांवों में आज भी नीम के पेड़ पर शीतला मां के लिए जल चढ़ाया जाता है, जो स्वास्थ्य चेतना का ही विहंगम उदाहरण है। जिस दौर में देश में चेचक जैसे बीमारी का प्रकोप हुआ करता था, उसे शीतला माता से जोड़कर देखा जाता था। कई लोग चेचक या स्मॉल पॉक्स को बड़ी माता ही कहा करते थे। धार्मिक मान्यता है कि मां शीतला, त्वचा रोगों और संक्रमणों से रक्षा करने वाली देवी मां हैं। शीतला शब्द का मतलब है शीतलता प्रदान करने वाली। शीतला माता को गधे पर सवार, हाथ में झाड़ू, कलश और नीम की पत्तियों के साथ चित्रित किया जाता है। इन सभी प्रतीकों का गहरा स्वास्थ्य दर्शन है। झाड़ू दरअसल, साफ-सफाई, बीमारियों और अशुद्धियों को दूर करने का प्रतीक है। कलश जीवन और स्वास्थ्य का स्रोत है। नीम की पत्तियां औषधीय गुणों और

रोग प्रतिरोध का प्रतीक है। जबकि गधा विनम्रता और सेवाभाव का प्रतीक है। यह पूरी प्रतीकात्मकता दशार्ती है कि शीतला माता केवल धार्मिक देवी नहीं बल्कि स्वास्थ्य और स्वच्छता की प्राचीन भारतीय अवधारणा है।

भारत में प्राचीन काल से ही चेचक तथा कई अन्य संक्रामक रोगों का व्यापक प्रकोप होता रहा है। इसलिए आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के विकास के पहले लोग इन रोगों से बचाव के लिए देवी-देवताओं की पूजा किया करते थे। माता शीतला की पूजा इसी सामाजिक और स्वास्थ्य संदर्भ से जुड़ी हुई है। पिछली सदी में जब गांवों में चेचक का जबरदस्त प्रकोप होता था, तो लोग मानते थे कि शीतला माता उनसे नाराज हैं। उन्हें प्रसन्न करने के लिए लोग उनकी पूजा करते थे और इस पूजा के दौरान कई तरह के नियम बनाए गए थे, जो वास्तव में अप्रत्यक्ष रूप से स्वच्छ रहने के लिए बनाए गए नियम होते हैं। शीतला मां को प्रसन्न करने की जो प्रक्रिया होती थी, वह दरअसल स्वास्थ्य चेतना का एक अनुपम उदाहरण है। क्योंकि शीतला माता को प्रसन्न करने के लिए घर की साफ-सफाई करने का प्रावधान है।

इस पर्व पर दिन में ठंडा भोजन करने की परंपरा है, जिससे अग्नि और गर्मी कम हो जाए। साथ ही इस दौरान नीम का प्रयोग और बीमार को मूलतः नीम के पेड़ के नीचे ठंडक में रखने का चलन था, जिससे रोगी को इन वैज्ञानिक तौर-तरीकों से आराम मिलता था और उसके रोग की तीव्रता कम हो जाती थी। वास्तव में शीतला माता का पूजा और अनुष्ठान में वैज्ञानिक प्रक्रिया ही निहित है, जो कि धर्म के साथ आपके स्वास्थ्य की रक्षा भी तय करता है।

जहां तक शीतला अष्टमी व्रत मनाए जाने की परंपरा का सवाल है तो इस दिन घर में बासी भोजन किए जाने की परंपरा है, जिसमें शामिल होते हैं पूरी, हलवा, कढ़ी-चावल, दही और अन्य पकवान। शीतला अष्टमी का व्रत रखने के बाद अगले दिन सुबह मंदिर जाकर पूजा की जाती है, जिसमें वही सब चीजें शामिल होती हैं, जो भोग का हिस्सा भी होती हैं।

शीतला सप्तमी-अष्टमी मनाए जाने के सदियों से तीन प्रमुख कारण रहे हैं। बीमार की रोगों से रक्षा करना स्वास्थ्य और स्वच्छता का संदेश देना और प्रकृति तथा परिवर्तन का स्वागत करना। जब महिलाएं शीतला अष्टमी का व्रत रखती हैं, तो उनकी यही कामना होती है कि शीतला मां, परिवार को रोगों से दूर रखें। चूंकि चेचक का रोग बेहद संक्रामक होता है और एक शरीर से दूसरे शरीर तक बहुत आसानी से संक्रमित हो जाता है। इसलिए शीतला सप्तमी और अष्टमी के द्वारा यह संदेश दिया जाता है कि अपने शरीर और कपड़ों को अच्छी तरह से धोया जाए। यही इस पर्व का प्रमुख संदेश है।

परप्रांतीय नहीं, घुसपैठियों से है देश को खतरा

भाजपा के सत्ता में आने के बाद भी हिन्दू उपेक्षित

रोहिंग्या मुसलमान दुनिया के कई देशों में घुसपैठ कर वहां रह रहे हैं। भारत में बड़ी संख्या में रोहिंग्या मुसलमान जम्मू, हैदराबाद, आसाम, सिक्किम, दिल्ली और मुंबई में रहते हैं। इनका कनेक्शन आतंकवादी गतिविधियों में रहता है।

मुंबई। यूपी, बिहार, गुजरात आदि राज्यों से जो परप्रांतीय मुंबई में आते हैं वे देश विरोधी कार्य के लिए नहीं बल्कि रोजगार के लिए आते हैं। देश को सबसे ज्यादा खतरा घुसपैठियों से है, इन्हे नहीं रोका गया तो आने वाले समय में देश को बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी।

हिन्दू महासभा और स्वातंत्र्यवीर सावरकर राष्ट्रीय स्मारक के संयुक्त तत्वाधान में दादर (पश्चिम) पाटिल मारुती मंदिर सभागृह में स्वातंत्र्यवीर सावरकर के 60 वें स्मृति दिन के अवसर पर आयोजित चर्चा सत्र में रोहिंग्या मुसलमान और बांग्लादेशी घुसपैठी मतदाता राष्ट्रीय समस्या विषय पर बोलते हुए हिन्दू महासभा के प्रदेश प्रवक्ता डॉ.आनंद कुलकर्णी ने कहा कि 1980 में म्यांमार सरकार ने नागरिक कानून बनाया उसके बाद क्लीनअप अभियान के तहत रोहिंग्या मुसलमानों को भगाना शुरू किया। करीब 7 लाख रोहिंग्या मुसलमान दुनिया के कई देशों में घुसपैठ कर वहां रह रहे हैं। भारत में बड़ी संख्या में रोहिंग्या मुसलमान जम्मू, हैदराबाद, आसाम, सिक्किम, दिल्ली और मुंबई में रहते हैं। इनका कनेक्शन आतंकवादी गतिविधियों में रहता है।

बांग्लादेश से हमारे देश की करीब 4 हजार किमी की सीमा है जो जंगल, नदी से लगी हुई है, इसी रास्ते से घुसपैठिये भारत में आसानी से आते हैं। देश में करीब 2 लाख बांग्लादेशी मुसलमान हैं, ये घूसखोर मतदाता भी बन गए हैं इनकी पहचान किया जाना चाहिए। कुलकर्णी ने कहा कि अपने आपको हिंदुत्ववादी सरकार कहने वाले सत्ता में रहकर भी घुसपैठियों के खिलाफ कुछ नहीं कर पा रहे हैं। ये घुसपैठिये रेलवे, सड़क, पानी, चिकित्सा जैसी सेवाओं के साथ रोजगार पर कब्जा जमाकर नागरिक समस्या बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि टाटा इंस्टीट्यूट सोसल साइंस के एक सर्वे के मुताबिक हिन्दुओं की संख्या 88% से घटकर 66% प्रतिशत हो गई है जबकि मुसलमानों की संख्या 8% से बढ़कर 21% हो गई है। अल्पसंख्यक मुसलमान अब बहुसंख्यक बनने की ओर है जो हिन्दुओं के लिए खतरनाक संकेत है। हिन्दू महासभा मुंबई अध्यक्ष अनूप केणी ने कहा कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद भी हिन्दू उपेक्षित है। बंगाल, केरल अब नया पाकिस्तान बन रहा है। देश का डेमोग्राफी बदल रहा है जिस पर सरकार ध्यान नहीं दे रही है। समारोह के अध्यक्ष हिन्दू महासभा परेल के अध्यक्ष दिनेश भोगले ने कहा कि फेरीवालों को हटाने का काम बीएमसी कर रही है, लेकिन घुसपैठियों का समाधान इससे नहीं होने वाला है। घुसपैठियों को पकड़ने के लिए देश भर में अभियान चलाया जाना चाहिए। इस अवसर पर दत्ताजी सणस, महेश सावंत पटेल, हरीश शेलार ने भी विचार रखे।

तीन दशकों से कश्मीरी हिंदू अपने ही देश में विस्थापित

केंद्र सरकार कश्मीरी पंडितों की घाटी में सुरक्षित वापसी कराए

केंद्र में मोदी सरकार के 11 साल व धारा 370 व 35ए के निरस्त्रीकरण के 6 साल से अधिक का समय बीतने के बावजूद कश्मीरी हिंदुओं की सुरक्षित घर वापसी का सपना साकार नहीं हुआ। जम्मू संभाग के साथ जारी राजनीतिक भेदभाव को खत्म करने के लिए जम्मू संभाग की विधानसभा सीटों को 50 तक बढ़ाने के साथ जम्मू को स्थायी राजधानी घोषित किया जाये।

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) जम्मू-कश्मीर इकाई प्रमुख मनीष साहनी ने कहा कि कश्मीरी पंडितों की घाटी में वापसी के बिना अमन-बहाली के तमाम दावे बेमानी है। सरकार को कश्मीरी पंडितों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करना चाहिए।

शिवसेना भवन में उन्होंने जम्मू-कश्मीर के ज्वलंत मुद्दों पर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और सांसद अनिल देसाई से मुलाकात कर एक विस्तृत मांग पत्र सौंपी। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े तीन दशकों से कश्मीरी हिंदू अपने ही देश व प्रदेश में विस्थापिता का जीवन बिता रहे हैं। केंद्र में मोदी सरकार के 11 साल व धारा 370 व 35ए के निरस्त्रीकरण के 6 साल से अधिक का समय बीतने के बावजूद कश्मीरी हिंदुओं की सुरक्षित घर वापसी का सपना साकार नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर की जनता आज अपनी पहचान और न्याय के लिए संघर्ष कर रही है। केंद्र की वादाखिलाफी के विरुद्ध अब निर्णायक हस्तक्षेप का समय आ गया है। जम्मू-कश्मीर को अविलंब पूर्ण राज्य का दर्जा बहाली व अनुच्छेद 371 के तहत प्रदेश की जमीन और सरकारी नौकरियों पर केवल स्थानीय भूमिपुत्रों के अधिकार को सुरक्षित अधिकार मिले। दशकों से जम्मू संभाग के साथ जारी राजनीतिक भेदभाव की समाप्ति के लिए परिसीमन के माध्यम से जम्मू संभाग की विधानसभा सीटों को 50 तक वृद्धि कर जम्मू को स्थायी राजधानी घोषित किया जाए। राज्य में ध्वस्त हो चुकी त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था (नगर निकाय, पंचायत, डीडीसी) के चुनाव कराकर स्थानीय लोकतंत्र को पुनर्जीवित किया जाना चाहिए। सांसद अनिल देसाई ने कहा कि उक्त गंभीर मुद्दों को संसद और अन्य राष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी जम्मू-कश्मीर के नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मन को परमात्मा के साथ लगाने की जरूरत

स्वर्णिम भारत में फिर बहेगी दूध घी की नदियां

साइंस ने बहुत तरक्की कर ली है लेकिन एक घर में दो भाई आपस में बातचीत नहीं कर रहे हैं। मन की दूरी को दूर करने की जरूरत है। आध्यात्मिक ज्ञान से आपसी मतभेद मिटाया जा सकता है। मन को सुधारने के लिए मन को परमात्मा के साथ लगाने की जरूरत है।

मुंबई। ब्रह्माकुमारी संतोष दीदी ने कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान से देश में रामराज्य की स्थापना होगी, जहां दूध घी की नदियां बहेगी और शेर बकरी एक ही घाट पर पानी पिएंगे। ब्रह्माकुमारी आदर्श नगर वरली सेवा केंद्र के रजत जयंती अवसर पर वरली स्पोर्ट्स स्माल ग्राउंड में आयोजित तीन दिवसीय स्वर्णिम भारत दिव्य दर्शन मेला के उद्घाटन अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत में रामराज्य तभी आएगा जब हम अपने अंदर रामराज्य स्थापित कर लेंगे।

वसुधैव कुटुम्बकम अवधारणा से हम पूरी दुनिया को अपना घर मानते हैं। विश्व को हम तभी फायदा पहुंचा सकते है जब हमारे परिवार में सुख शांति होगी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में शिक्षा दी जाती है कि मनुष्य आत्माएं सभी भाई बहन हैं। हम दाता के बच्चे हैं, परमात्मा कहते है कि मांगना छोड़ दो लोगों को देने की भावना होना चाहिए इस लिए औरों को खुशी और प्रेम दो। खेत में बीज लगाने का फल मिलता है। कर्म क्षेत्र में जैसा करेंगे वैसा फल मिलेगा। जो दिखाई दे रहा है वह हमारे साथ कभी भी नहीं जायेगा, जैसे दूसरे देश में जाने पर वहाँ की करेंसी बदलनी पड़ती है वैसे ही हमारे कर्मों से ही फल मिलेंगे। संतोष दीदी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि परमात्मा पिता हम बच्चों को सिखाते हैं कि नई दुनिया में लाने के लिए हमें विचारों को बदलना होगा, कर्मों को बदलना होगा। साइंस ने बहुत तरक्की कर ली है लेकिन एक घर में दो भाई आपस में बातचीत नहीं कर रहे हैं। मन की दूरी को दूर करने की जरूरत है। आध्यात्मिक ज्ञान से आपसी मतभेद मिटाया जा सकता है। मन को सुधारने के लिए मन को परमात्मा के साथ लगाने की जरूरत है। परमात्मा हमारा पिता है अगर हम श्रेष्ठ संकल्प करेंगे तो मनुष्य भी देवता बन सकता है। संसार को सुखमय बनाने के लिए स्वयं में परिवर्तन करना होगा।

कार्यक्रम में संचालिका नेहा दीदी, आशा, नीलम, डॉ. अशोक मेहता, अरविन्द सहित सैकड़ों महिलाएं और पुरुष उपस्थित रहे। तीन दिवसीय स्वर्णिम भारत दिव्य दर्शन मेला में आध्यत्मिक थ्री डी शो, चैतन्य देवियों का दर्शन, आने वाले नए भारत की झलक, व्यसन मुक्ति लघु नाटिका, मूल्य आधारित खेल, कुंभकरण की झांकी प्रस्तुत कर लोगों को नशे के प्रति जागरूक किया गया।

शिल्प देवता भगवान विश्वकर्मा से हमारी पहचान

अखिल भारतीय विश्वकर्मा ट्रस्ट का होली मिलन समारोह

वाराणसी। अखिल भारतीय विश्वकर्मा ट्रस्ट की ओर से विश्वकर्मा सामाजिक समागम व होली मिलन समारोह चितईपुर स्थित धर्मेश्वर वाटिका में आयोजित हुआ। समारोह में विश्वकर्मा समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विश्वकर्मा सामाजिक समागम व होली मिलन समारोह में बुद्धिजीवी वर्ग के साथ साथ शिक्षा जगत, व्यापारी वर्ग आफिसियल वर्ग के लोग एवं शिल्पकार मौजूद थे। समाज के प्रतिभाशाली युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में नाम रोशन करने लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पारस नाथ शर्मा (अवकाश प्राप्त न्यायाधीश) थे। उनके हाथों धीरज विश्वकर्मा द्वारा लिखित एक पुस्तक कर्ण दर्शन का विमोचन किया गया। मुख्य अतिथि पारस नाथ शर्मा ने कहा कि शिक्षा ही हर विकास का जननी है। शिक्षा वह शेरनी है जिसका दुध जो भी पियेगा वह दहाड़ेगा। समारोह के विशिष्ट अतिथि सपा नेता एवं विश्वकर्मा समाज के महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा विश्वकर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा समाज की सर्वाधिक संख्या देश से लेकर प्रदेश में अत्यधिक है। समाज के लोगों की अपनी ताकत एवं पहचान स्थापित कर ऊंचाई पर पहुंचने के लिए एक होकर परिश्रम करने की आवश्यकता है। हम सभी बंटने के कारण जो राजनीतिक लाभ मिलना चाहिए उससे दूर होते चले जा रहे है। हम सभी की पहचान शिल्प देवता भगवान विश्वकर्मा से है। कार्यक्रम में शशिधर पंचगौड़, अध्यक्ष रघुवर दास विश्वकर्मा, डॉ. विद्यानंद शर्मा, भरत विश्वकर्मा, रामचंद्र शर्मा, घनश्याम विश्वकर्मा, डॉ. वीके शर्मा, विनोद शर्मा, धीरज विश्वकर्मा, अभिषेक विश्वकर्मा, राकेश विश्वकर्मा, सुनिल विश्वकर्मा, बाबू विश्वकर्मा, आदि लोग उपस्थित थे।

फर्नीचर कारीगरों से मुलाकात

यूपी के पूर्व शिक्षा मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा लखीमपुर खीरी के मैगलगंज मार्केट के लकड़ी मंडी में विश्वकर्मा समाज दुकानदारों से मुलाकात किया। उन्होंने फर्नीचर व्यवसाय से जुड़े लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और कहा कि सपा की सरकार बनाओ, आपका हर काम होगा और सम्मान भी बढ़ेगा।

हापुस आम के निर्यात पर छाया संकट

मुंबई। ईरान युद्ध की वजह से इस बार हापुस आम के निर्यात पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। हापुस आम का पैदावार महाराष्ट्र के सिंधुर्ग, देवगढ़ ,मालवण, वेंगुर्ला, रत्नागिरी आदि क्षेत्रों में सबसे अधिक होती है। हापुस आम उत्पादक किसानों के लिए मुंबई में करीब 25 वर्षों से आम्बा महोत्सव का आयोजन करने वाली संस्था कोकण विकास प्रतिष्ठान के सचिव राजेंद्र तावड़े ने बताया कि ईरान युद्ध के चलते इस बार हापुस आम के निर्यात की संभावना नहीं है, निर्यात नहीं होने से आम उत्पादक किसानों को काफी नुकसान होगा।

SKILLING PARTNER
FFSC
FURNITURE
& FITTINGS
SKILLS COUNCIL
HINDUSTAN
KI SHAAN
Presented by
Green
Greenply
काम से कामयाबी तक
हिंदुस्तान की शान
सीज़न 4
प्रतियोगिता में
हिस्सा लेने के लिए
QR कोड स्कैन करें
हिंदुस्तान की शान अवॉर्ड, ग्रीनप्लाई की एक पहल है
जो वुड पैनल उद्योग के शिल्पकारों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का मौका देती है।